पंखुड़ी

सहायक पुस्तिका

भाग-6 [redacted]

पंखुड़ी-6

पाठ-1 नव-निर्माण

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (iii) देश का नवनिर्माण करने के लिए
2. (i) देश का नवनिर्माण करने के लिए
3. (i) भारतभूमि की संपत्ति

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. मुरझाए हुए फूलों को नव मुस्कान से भरने के लिए हमें नयी उमंग और आशा को भरना होगा।
2. मनुष्य में नयी सोच को भरकर हम नया राग व नव गान भर सकते हैं।
3. धरती माँ की काया सुनहरी करने सक कवि का उद्देश्य-धरती माता के ऊपर रंग-बिरंगे सुंदर फूल खिलाने से है।
4. जब हम अपनी नई सोच, नई उमंगों से भरी आवाज़ों को उजागर करेंगे तो ही जग रूपी बगीगे (उद्यान) को इन आवाज़ों से गुंजित करना संभव हो पाएगा।
5. कवि देश के नवयुवकों को देश के नव-निर्माण करने का संदेश दे रहा है।

ग. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यान से पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. सरस्वती के पावन मंदिर द्वारा ही नवयुवकों को ज्ञान, नई चेतना नव-निर्माण करने की क्षमता मिलती है इसलिए उस मंदिर को नवयुवकों की संपत्ति कहा गया है।
2. सरस्वती के पावन मंदिर की।
3. नवयुग के आह्वान से कवि का तात्पर्य– नए युग की की पुकार से है।

4. बालकों को।

5. बालकों को।

घ. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

1. युग-युग .... मुस्कान भरो।

भाव– प्रस्तुत पंक्ति का भाव यह है कि नई मधुर मुस्कान युगों-युगों से मुरझाए हुए फूलों में भरी दो अर्थात् उनमें आत्मविश्वास की नई उमंग भरो। जो अधिक समय से दुखों के सागर में डूबे हुए हैं।

2. नवयुग की नूतन .... नव गान भरो।

भाव– प्रस्तुत पंक्ति का ाािव यह है नई चेतना आ जाने के कारण सबकी वाणी में भीआत्मविश्वास, प्रेम की धारणा जागृत हो, सबकी बोंली में कोयल की बोली की तरह मिठास हो। नयी सोच हो।

3. नूतन मंगलमय .... जग-उद्यान करो।

भाव– प्रस्तुत पंक्ति का भाव यह है कि जिस प्रकार बाग उपवन में पक्षियों की आवाज़ें गुंजित होती हैं, उपवनों को मंगलमय करती है उसकी प्रकार हे वीर सपूतों! तुम अपनी नई धारणाएँ, नई सोच इस संसार रूपी बगीचे में गूँज दो जिससे सभी को उससे प्रेरणा मिले।

भाषा और व्याकरण

क. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

पावन	–	पवित्र	गंगा एक पावन नदी है।
संपत्ति	–	धन-दौलत	सेठ के पास बहुत संपत्ति है।
पुजारी	–	पंडित	मंदिर का पुजारी दयावान होना चाहिए
दीप	–	दीपक	हर घर में दीप जल रहे थे।

ख. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए–

धरा	–	भूमि	प्रांत	–	राज्य
सुमन	–	फूल	विहग	–	पक्षी
नूतन	–	नया	जग	–	संसार
उद्यान	–	बगीचा	पावन	–	पवित्र

ग. निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए–

निरमाण	–	निर्माण	स्र्फूति	–	स्फूर्ति
ज्योती	–	ज्योति	तरंगें	–	तरंगे
सूमन	–	सुमन	मूस्कान	–	मुस्कान
नुतन	–	नूतन	विणा	–	वीणा

घ. कोष्ठक में दिए गए क्रिया शब्दों की सहायता से दिए गए उदाहरण के अनुसार वाक्य बनाइए–

1. मुझे अखबार पढ़ना है, कृपया लाओ।
2. पानी बहुत गरम है, मैं पीना नहीं चाहता।
3. हम चिड़ियाघर देखने जाएँगें।
4. प्रत्येक मनुष्य को अपना जीवन लक्ष्य चुनना पड़ता है।
5. हमें प्रतिदिन नहाना चाहिए।

ङ. निम्नलिखित उदाहरण के अनुसार अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द लिखिए–

1. जिस आदमी में लालच होता है - लालची
2. जो व्यक्ति लोभ करता है - लोभी
3. जिस व्यक्ति में स्वार्थ होता है - स्वार्थी
4. अन्याय करने वाला व्यक्ति - अन्यायी

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-2 वीर बहादुर सिंह

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (i) नाम 2. (ii) अपने दो दाँत
3. (iii) लाटसाहब 4. (iii) दक्षिणा

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. बुद्धा लाल महाशय अपनी माँ से अपना नाम बुद्ध रखने की वजह से नाराज़ होते थे।
2. बुद्धा लाल महाशय पुरोजित के पास अपना नाम बुद्धा रखने की वजह से भिड़ने गए।
3. बुद्धा लाल ने सोचा क्यों न भैंसे से लड़कर ही मैं वीर बहादुर सिंह कहला सकता हूँ यह सोचकर उसके चेहरे पर निखार आ गया।
4. वीर बहादुर सिंह कहलाने की लालसा ने इसलिए दम तोड़ दिया क्योंकि बुद्धा लाल को भैंसे ने बहुत घायल कर दिया था।

5. जब लोगों ने बुद्धा लाल की वीरता की प्रशंसा करते हुए कहा कि आप साँप को पकड़कर बाहर निकाल दो यह सुनकर बहादुर सिंह को लगा कि वे बैठ-बिठाए झूठी वीरता के चक्कर में पड़कर मुसीबत में पड़ गए।
6. पुरोहित जी ने बुद्धा लाल महाशय को समझाया कि कर्म से तो मनुष्य अपना भाग्य बदल सकता है। तुम ऐसे कर्म करो कि लोग तुम्हें बुद्धा की जगह बहादुर सिंह कहें।
7. बहादुर सिंह का खिताब पाने के बाद बुद्धा लाल महाशय फूला न समाते और साथ ही साथ उनकी छाती छह इंच फूलकर छत्तीस इंच की हो जाती थी।
8. अपनी झेंप मिटाने के लिए बुद्धालाल महाशय ने साँप को देवता मानकर उस ने मारने का बहाना बनाया।
9. सब लोगों को जब यह असलियत पता चली कि बुद्धा लाल नहीं अपितु महाडरपोक है और वह वीर होने का दिखावा कर रहा था तो सबसे उसे 'डरपोक वीर बहादुर सिंह' का खिताब दिया।

ग. आशय स्पष्ट कीजिए–

1. लोग पागल भैंसे से बचने के लिए भाग रहे थे।
2. बुद्धा लाल महाशय के चेहरे पर दिल में उत्साह भरने पर निखार आ गया।
3. बुद्धा लाल की काया डर के मारे काले भैंसे को देखकर थरथराने लगी।
4. बुद्धा लाल की वीर बहादुर कहलाने की लालसा ने दम तोड़ दिया क्योंकि वह भैंसा उसे सँभलने का भी मौका नहीं दे रहा था।

घ. किसने, किससे कहा–

	किसने	**किससे**
1.	बुद्धा लाल ने	अपनी माँ से
2.	माँ ने	बुद्धा लाल से
3.	बुद्धा ने	पुरोहित से
4.	पुरोहित ने	बुद्धा लाल को
5.	बुद्धा लाल ने	लड़कों को
6.	लड़कों ने	बुद्धा लाल से

भाषा और व्याकरण

क. निम्नलिखित वाक्यों में से उचित जातिवाचक व व्यक्तिवाचक संज्ञा छाँटिए–

1. माँ – जातिवाचक
2. बुधवा नक्षत्र – व्यक्तिवाचक
3. साँप – जातिवाचक
4. हरिद्वार – व्यक्तिवाचक
5. भैंसे – जातिवाचक

ख. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. सिक्का जमाना – हुकूमत करना
   कक्षा का मॉनीटर सब बच्चों पर अपना सिक्का जमाता है।
2. कचूमर निकालना – नष्ट करना
   बड़े ट्रक ने साइकिल का कचूमर निकाल दिया।
3. यमलोक पहुँचना – मर जाना
   सेठ जी तो इतनी सी उम्र में ही यमलोक पहुँच गए।
4. भीगी बिल्ली बन जाना – डरना
   चोर पकड़े जाने पर भीगी बिल्ली बनकर बैठ गया।

ग. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

1. निहत्ते – निहत्थे
2. महास्य – महाशय
3. शंस्कार – संस्कार
4. पूरोहित – पुरोहित
5. गद्रन – गर्दन
6. प्रर्दसन – प्रदर्शन

घ. पाठ में से योजक चिह्न (-) वाले 2 दो शब्द छाँटकर लिखिए– जैसे : माता-पिता

भागो-भागो हटो-बचो

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-3 हृदय परिवर्तन

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (i) रंग
2. (iii) मंदिर में
3. (ii) घटा को
4. (iii) खड्गसिंह का
5. (i) अपाहिज

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. डाकू खड्गसिंह बाबा भारती के घोड़े सुलतान की कीर्ति सुन उसे देखने के लिए अधीर हो उठा।
2. बाबा भारती अपना घर, ज़मीन सब छोड़ कर गाँव के बाहर एक छोटे से मंदिर में रहते थे।
3. सुलतान को देखकर खड्गसिंह सोचने लगा कि ऐसा विचित्र घोड़ा तो मेरे पास होना चाहिए।
4. सुलतान को खोने के डर से बाबा भारती की रातों की नींद उड़ गई।
5. बाबा भारती के अनुसार सुलतान एक विचित्र जानवर है। जो भी उसे देखता है प्रसन्न हो जाता है। उसकी चाल मन मोह लेती है।
6. खड्गसिंह ने सुलतान को पाने के लिए एक अपाहिज का रूप धारण किया और बाबा भारती से प्रार्थना कर सुलतान पर सवार हो गया। पर जैसे ही सुलतान की लगाम उसके हाथों में आयी वह सुलतान को लेकर भाग गया।
7. बाबा भारती खड्गसिंह से प्रार्थना करते हुए बोले कि इस घटना का वर्णन किसी के सामने न करना वरना किसी का दीन–दुखी पर से विश्वास उठ जाएगा।
8. अपाहिज को घोड़े पर बैठा लेना बाबा भारती के चरित्र की दयालुता दयाभाव आदि विशेषता को उजागर करता है।

ग. गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. क. चौथे पहर में बाबा ने स्थान किया।
   ख. अस्तबल की ओर।
   ग. सुलतान की याद आने के कारण वे निराश थे।
   घ. बाबा सुलतान को अस्तबल में बँधा देख विस्मित हुए।
   ङ. बाबा संतुष्ट थे कि अब कोई दीन–दुखियों की सहायता से मुँह नहीं मोड़ेगा।
2. क. बाबा भारती ने गर्व से घोड़ा दिखाया क्योंकि वह घोड़ा सुलतान विचित्र घोड़ा था।
   ख. खड्गसिंह को आश्चर्य हुआ कि इस साधु को ऐसे घोड़े की क्या आवश्यकता।
   ग. खड्गसिंह सोचने लगा कि यह घोड़ा तो मेरे पास होना चाहिए था।
   घ. खड्गसिंह की यह बात सुन कि घोड़ा आपके पास न रहने दूँगा बाबा का मन अधीर हो गया।
   ङ. खड्गसिंह उस सुलतान घोड़े को हथियाना चाहता था।

भाषा और व्याकरण

क. विलोम शब्द–

नीचे लिखे शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

1.	अधीर – धीर	2.	सावधान – सतर्क		
3.	प्रसन्न – अप्रसन्न	4.	भय – निर्भय		
5.	अधिकार – अनाधिकार	6.	सामान्य – असामान्य		
7.	विश्वास – अविश्वास	8.	आरंभ – अंत		

ख. क्रियाओं से भाववाचक संज्ञा बनाई जाती हैं।

इसी प्रकार, निम्नलिखित क्रियाओं से भाववाचक संज्ञा बनाइए–

1.	दौड़ना – दोड़	2.	पुकारना – पुकार
3.	चीखना – चीख	4.	समझना – समझ

ग. निम्नलिखित मुहावरों से वाक्य बनाइए–

1. लट्टू होना –
   खड्गसिंह सुलतान पर लट्टू हो गया।
2. हृदय पर साँप लोटना –
   सुलतान की चाल देख खड्गसिंह के हृदय पर साँप लोट गया।
3. दिल टूट जाना –
   परीक्षा में बेटे के कम नं. आने पर माता–पिता का दिन टूट गया।
4. मुँह मोड़ना –
   रीता ने अपनी सहेली से कुछ पैसे उधार माँगें तो उसने मुँह मोड़ लिया।

घ. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1.	आनंद	–	खुशी	हर्ष
2.	विस्मय	–	आश्चर्य	हैरानी
3.	कीर्ति	–	यश	ख्याति
4.	रात्रि	–	रात	निशा

खेल–खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-4 सबसे बड़ा साधु

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (i) पत्नी 2. (iii) किसान
3. (i) देवता

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. मूसलाधार बारिश होने से गाँव के पास वाली नदी में बाढ़ आ गयी थी।
2. गाँव को बहने से किसान और उसके परिवार ने बचाया उन्होंने टूटे हुए किनारे से जहाँ से पानी आ रहा था वहाँ पर मिट्टी डालनी शुरू कर दी।
3. साधु ने किसान को एक सिद्ध महात्मा के रूप में देखा जिस कारण उसे रातभर नींद नहीं आयी।
4. नहीं, किसान के पास सच में कोई सिद्धि नहीं थी। वह बहुत मेहनती था ओर हर काम भगवान की आज्ञा मानकर करता था।
5. प्रस्तुत पाठ द्वारा लेखक हमें यह समझाना चाह रहे है। कि ईश्वर उसकी को सिद्धियाँ शक्तियाँ देते हैं जो कर्मयशील होते हैं। अपने कार्य को तन-मन सच्ची श्रद्धा और विश्वास से करने वाला इंसान ही आलौकिक शक्तियाँ प्राप्त कर सकता है।

ग. आशय स्पष्ट कीजिए–

1. **आशय–** प्रस्तुत पंक्ति साधु ने किसान को देखकर अपने मन में महसूस की क्योंकि उस किसान ने अपनी मेहनत से लोगों की जान बचाई। जिस कारण उस तपस्वी साधु को वह कमज़ोर किसान देवता के रूप में लग रहा था। उस किसान ने अपनी जान में खेलकर दूसरों की जान बचाई।
2. **आशय–** यह पंक्ति किसान ने उस समय सोची जब वह यह अफसोस कर बैठा था कि वह अपने जीवन व कामों में इतना व्यस्त हो गया है कि भगवान की पूजा तक नहीं करता। वह किसान परिश्रमी था पर उसे यह बात चुभती रहती थी कि वह भगवान के ध्यान के लिए समय नहीं निकाल पाता।
3. **आशय–** इन पंक्तियों का आशय है कि साधु ने अपने को किसान के सामने बहुत छोटा महसूस किया। वह सोचने लगा कि यह किसान के पास क्या सिद्धि है जो मुझ जैसे तपस्वी के पास नहीं है। आज किसान के आगे वह सिद्धपुरुष तपस्वी तपस्वी अपने आप को तुच्छ समझने लगा।

घ. किसने, किससे कहा और क्यों?

	किसने	किससे
1.	साधु ने	किसान से
2.	किसान ने	साधु से
3.	गाँव वालों ने	साधु से

भाषा और व्याकरण

क. निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन शब्दों के विलोम शब्द द्वारा रिक्त स्थान भरिए–

1. सूर्य की प्रथम किरण ने **अंधकार** दूर भगाकर उजियारा कर दिया।
2. दवा खाने से ही रोगी व्यक्ति **निरोगी** हो सकता है।
3. उस अनाथ बच्ची को आसरा मिलते ही वह **सनाथ** हो गई।
4. गाँव में एक प्राचीन मंदिर था, **नवीन** इमारत नहीं थी।
5. किसान एक **सामान्य** व्यक्ति था, परंतु साधु असामान्य था।

ख. 'दिन' के आगे 'भर' जोड़ देने से 'दिनभर' बन जाता है। उसी प्रकार अलग-अलग प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए–

1. सामर्थ्य - सामर्थ्यवान 2. रात - राततक
3. घड़ी - घड़ीभर 4. एक - एकैक

ग. निम्नलिखित वाक्यों में इन नकारात्मक शब्दों का प्रयोग कीजिए–

1. मैं तुम्हें इतने पैसे **नहीं** दे सकता।
2. **न** पढ़ते हो, **न** खेलते हो, भला करना क्या चाहते हो?
3. छोटी बहन को जंगल में **मत** जाने दो।
4. राम से अब इतनी मेहनत **नहीं** हो पाती थी।

घ. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण और विशेष्य अलग कीजिए–

	विशेषण	विशेष्य
1.	गरीब	किसान
2.	छोटे-छोटे	बच्चे
3.	अनाथ	बच्ची
4.	दो, पाँच	हाथ, मुँह
5.	मनोहर	कहानी

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-5 नीड़ का निर्माण फिर-फिर

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए–

1. बह उठी आँधी कि **नभ में**
   छा गया **सहसा अँधेरा**
   धूलि-धूसर बादलों ने
   भूमि को **इस भाँति घेरा**।
2. एक चिड़िया चोंच में
   तिनका **लिए जो जा रही है**
   वह सहज में ही पवन
   उनचास को नीचा दिखाती!

ख. निम्न पंक्तियों का सरलार्थ लिखिए–

1. रात के डरावने भयभीत समय में प्रकृति का एक एक कण भी ऐसा लगता है कि वह भी डरा हुआ है परंतु जब पूर्व दिशा से सूरज की पहली किरण अपना आगमन करने लगती है तो ऐसा लगता है जीवन प्राण प्रकृति में फिर से वापिस आ गया। सूर्य की किरणों की मनमोहने वाली सुनहरी किरणें फैल जाती हैं।
2. आशा रूपी पक्षी तू ही बोल कि रात के पहर में किस जगह छिप जाता है। अदृश्य हो जाता है पर जब सूरज आसमान में निखरने लगता है तो तू भी वर्ग से इधर-उधर निडर विचरण करने लगता है।
3. अगर कहीं दुखों का सागर अपना स्थान बना चुका हो है तो इसका मतलब यह नहीं कि वो आजीवन रहेगा। जीवन में निर्माण रूपी सुख भी अपनी जगह बनाता रहता है।
4. पक्षी बार-बार अपने घोसले के अस्थिर होने पर उसे बार-बार बनाता है। उसको प्यार से संजोता है। अपनी मधुर आवाज़ से मौसम सुहावना करता है।

ग. कविता की उन पंक्तियों को लिखिए जिनमें निम्नलिखित भाव व्यक्त हुए हैं–

1. कुद्‌ध नभ के वज्र दंतों से उषा है मुस्कुराती।
2. नाश के दु:ख से कभी दबता नहीं निर्माण का सुख।
3. प्रलय की निस्तब्धता से सृष्टि का नवगान फिर-फिर।

भाषा और व्याकरण

क. निम्नलिखित पंक्तियों में उस स्थल को रेखांकित कीजिए जहाँ अनुप्रास अलंकार का प्रयोग हुआ है।

1. नीड़ का <u>निर्माण फिर-फिर</u>
2. <u>धूलि-धूसर</u> बादलों ने
   भूमि को इस भाँति घेरा
3. किंतु प्राची से उषा की
   <u>मोहिनी मुस्कान</u> <u>फिर-फिर</u>

ख. 'इत' प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए–

1.	निर्माण	=	निर्मित	2.	गर्व	=	गर्वित
3.	क्रोध	=	क्रोधित	4.	भ्रम	=	भ्रमित
5.	उदय	=	उदित	6.	सीमा	=	सीमित
7.	पाठ	=	पठित	8.	बाधा	=	बाधित

खेल-खेल में

1.	गंगा	2.	यमुना	3.	सतलुज
4.	सरयू	5.	मंदाकिनी	6.	कावेरी
7.	ब्रह्मपुत्र	8.			

पाठ-6 सच्चे मित्रों को पहचानों

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (i) एक 2. (ii) पढ़ाई में बुद्धू

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. किसान के बेटे का नाम नंदू था।
2. नंदू बड़े लाड-प्यार में पाला गया लेकिन पढ़ाई में बिल्कल बुद्धु था।
3. नंदू ने उत्तर दिया कि आपके सिर्पु दो दोस्त हैं पर मेरे पचास-साठ हैं। ज़रूरत पड़ने पर सब जान देने को तैयार हैं।"
4. नंदू के मित्रों की परीक्षा लेने के लिए किसान ने उसके दोस्तों से झूठ कहा कि– मेरे लड़के ने एक आदमी को लाठी से मार डाला है। अब तुम्हे इसे बचाना होगा।
5. नंदू के मित्रों ने उसके किए गए दंड से बचने के लिए उसे मित्र मानने से इंकार कर दिया।
6. किसान के मित्रों को सच्चा दोस्त इसलिए कहा जा सकता है क्योंकि उन्होंने अपने मित्र को मुसीबत में देख उसकी सहायता करने को तैयार हो गए और जो मुसीबत के समय साथ दें वही सच्चा मित्र है।

ग. कल्पना की उड़ान–

छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

क. निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थान पर विराम-चिह्न लगाइए–

1. नंदू बड़े लाड-प्यार से पाला गया, लेकिन पढ़ाई में बुद्धू निकला।
2. कुछ लड़कों ने कहा– "अजी! हम आपके लड़के को जानते ही नहीं।"
3. अगर, मैं इस आफ़त के वक्त तुम्हारी मदद न करूँ तो हमारी दोस्ती का मतलब ही क्या रहा?
4. उस मित्र ने नंदू के पिता को गले लगाकर हिम्मत बँधाते हुए कहा– "मेरे दोस्त तुम्हें डरने की कोई बात नहीं।"
5. अपने पिता जी की बातें सुनकर नारायण गुस्से में आ गया और बोला– "बाबू जी! आपके सिर्फ़ दो ही दोस्त हैं मेरे पचास-साठ दोस्त हैं ज़रूरत पड़ने पर वे सब मेरे वास्ते जान देने को तैयार हैं।"

ख. निम्नलिखित शब्दों की शुद्ध वर्तनी लिखिए–

नराज	–	नाराज़	प्रनाम	–	प्रणाम
लढ़ाई	–	लड़ाई	पड़ाई	–	पढ़ाई
प्रमात्मा	–	परमात्मा	समाजिक	–	सामाजिक
कृया	–	कृपया	बीवी	–	बीबी

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-7 आखिरी अभिलाषा

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (iv) पं० जवाहरलाल नेहरू
2. (iii) 14 नवंबर को
3. (ii) भस्त भारत की धूल और मिट्टी मिलकर भारत का अभिन्न अंग बने

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. भारतीय जनता से मिले प्यार के बारे में नेहरू जी का कहना था कि मैं चाहे कुछ भी करूँ उसके अल्यांश का बदला नहीं चुका सकता, सच तो यह है कि प्रेम जैसी अमूल्य वस्तु का बदला चुकाया भी नहीं जा सकता।
2. प्रयाग की गंगा में भस्म विसर्जित करने के पीछे नेहरू जी की धारणा थी कि मेरी दृष्टि में कोई धार्मिक महत्व नहीं है। बचपन से ही इलाहाबाद की गंगा और यमुना नदियों से मेरा ममत्व रहा है।
3. नेहरू जी चाहते थे कि भारत उन बंधनों से अपने को मुक्त कर ले जो उसे जकड़े हुए है और जो आगे नहीं बढ़ने देते, जो लोगों में फूट डालते हैं इसलिए नेहरू जी ने भारत को प्राचीन परंपराओं से अलग करने की बात कही।
4. भारतीय संस्कृति को नेहरू जी एक निधि (खजाने) के समान मानते थे और साथ ही साथ उन्होंने भारतीय संस्कृति से प्रेरणा भी ग्रहण की है।

5. नेहरू जी की अंतिम इच्छा थी कि उनके मरने के बाद उनकी मुट्ठी भर भस्म इलाहाबाद के पास गंगा में प्रवाहित की जाए और शेष विमान द्वारा ऊपर से खेतों में बिखेर दिया जाए, जहाँ भारतीय किसान कड़ी मेहनत करते हैं।

ग. रिक्त स्थान भरिए–

1. उसकी एक मुट्ठी गंगा में **प्रवाहित** कर दी जाए।
2. **लोगों** को उस पर अपार **श्रद्धा** है।
3. वह मुझे नीचे के **उर्वर** और विस्तृत मैदानों की भी याद दिलाती रही है।
4. उस **श्रृंखला** को मैं कभी तोड़ना नहीं चाहूँगा।
5. जहाँ **भारत** के किसान मेहनत करते हैं।

घ. निम्नलिखित गद्यांश का अर्थ स्पष्ट कीजिए–

गद्यांश का अर्थ– प्रस्तुत गद्यांश में नेहरू जी के कहने का अभिप्राय है कि भारतवर्ष जो कि अलग-अलग ऋतुओं का समावेश है वह खुद में अनोखा है इतिहास संबंधित पौराणिक कहानियों, गीतों व लोक-कथाओं ने मुझे हरपल प्रोत्साहित किया है। गंगा पवित्र नदी भी मेरे जीवन में अभिन्न स्थान प्राप्त कर चुकी है, जो कि आदिकाल से बहती हुई आ रही। इसने भारत के इतिहास में अपनी महत्वपूर्ण जगह बनायी है।

भाषा और व्याकरण

क. निम्नलिखित शब्दों में से प्रत्यय और मूल शब्द को अलग-अलग करके लिखिए–

शब्द		मूलशब्द	प्रत्यय
इज़्ज़तदार	=	इज्ज़त	दार
मोरनी	=	मोर	नी
कृपालु	=	कृपा	लु
पहाड़ी	=	पहाड़	ई
आखका	=	आख	का
खोर	=	ख	ओर
लेविना	=	लेव	इना
ख़तरनाक	=	ख़तर	नाक
गुणवान	=	गुण	वान

ख. निम्नलिखित शब्द-समूहों के लिए एक-एक शब्द लिखिए–

बहुत-से रूप बदलने वाला	बहुरूपिया
साथ पढ़ने वाला	सहपाठी
अपनी इच्छा से काम करने वाला	इच्छुक
वह स्थान जहाँ दूर तक रेत ही रेत हो	रेगिस्तान
कम खर्च करने वाला	अल्पव्यापी

ग. निम्न शब्दों को एकवचन से बहुवचन में बदलिए–

एकवचन		बहुवचन
लड़का	=	लड़के
लड़की	=	लड़कियाँ
गाय	=	गाएँ
ताला	=	ताले
गधा	=	गधे
स्त्री	=	स्त्रियाँ
खिड़की	=	खिड़कियाँ
कविता	=	कविताएँ

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-8 विद्यालय और अनुशासन

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (iii) पढ़ने में   2. (ii) माँ
3. (i) कच्चा   4. (i) किसान

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. अनुशासन का अर्थ है– शासन के पीछे चलना अर्थात् नियमों का पालन करना।
2. अपने आचार्य से।
3. भोलानाथ की पत्नी मीरा, पाँच वर्षाय पुत्र दीपक और और एक कच्चा घर यही उसकी पूँजी थी।
4. पहला काम– भोलानाथ को खेतों पर रोटी पहुँचाने जाना। और दूसरा– दीपक को विद्यालय ले जाने और वापिस लाना था।
5. भोलानाथ का आचार्य उसका पुत्र दीपक था।
6. दीपक की पढ़ाई लिखाई क्ष उसके माता-पिता पर बहुत प्रभाव पड़ा। रोज दीपक अपने पिता को कुछ न कुछ सिखाता। उसने सच में उनके जीवन में उजाला कर दिया था।

7. दीपक के जीवन में उसके आचार्य की महत्वपूर्ण भूमिका रही है क्योंकि उसके आचार्य ने उसे अनुशासन की प्रेरणा दी उसे सही गलत का ज्ञान कराया और उसको नियमों का ज्ञान कराया।
8. हमारे जीवन में अनुशासन का बहुत महत्व है। अनुशासन प्रिय व्यक्ति सबका प्रिय बन जाता है। हम कोई गुण तभी प्राप्त कर सकते हैं जब हम अनुशासनप्रिय हों।

ग. किसने, किससे कहा–

	किसने	किससे
1.	दीपक ने	भोलानाथ से
2.	आचार्य ने	दीपक से
3.	दीपक ने	भोलानाथ से

घ. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों का उत्तर दीजिए–

1. भोलानाथ ने दीपक को अपना आचार्य मान लिया।
2. लगातार मेहनत से भोलानाथ ने दो गाएँ खरीद ली और उनका दूध बेचकर पैसे कमाने लगा।
3. वे तीनों गाय के दूध को खूब पीते और जो बचता बेचते।
4. भोलानाथ ने दीपक से नियम का पालन करना सीखा।

भाषा और व्याकरण

क. छात्र स्वयं करें।

ख. छात्र स्वयं करें।

ग. निम्नलिखित क्रिया शब्दों का धातु रूप लिखिए–

1.	लिखना – लिख	2.	हँसना – हँस
3.	बोलना – बोल	4.	देखना – देख
5.	पिया – पी	6.	चला – चल

घ. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाइए–

1. मैं, तुम और वह शाम को घूमने जाएँगे।
2. माँ ने पूछा, "आज घर वापिस आने में देर कैसे हो गई?"
3. आचार्य जी ने कहा– "सदा नियमों का पालन करते रहो।"
4. राम बाज़ार से दो किलो, आटा, तीन किलो चीनी और दो लीटर दूध ले आओ।
5. माता–पिता, भाई–बहन, दादा–दादी सबकी इज्ज़त करो।

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ–9 रेगिस्तान के जीव–जंतु

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1.	(i) वन	2.	(ii) ज़मीन के नीचे बिल में
3.	(ii) ज़हरीले	4.	(iii) ऊँट

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. रेगिस्तान एक सूखा स्थान है। धरती के अन्य भागों में रहने वाले जीव–जंतुओं की तरह रेगिस्तान के जीव–जंतुओं को भी पानी की आवश्यकता होती है।
2. रेगिस्तान में कहीं–कहीं छोटी झील भी होती है जहाँ वहाँ के जीव–जंतु आकर अपनी प्यास बुझाते हैं।
3. ज़मीन में होने वाले कंपन की सहायता से साँप–अपने आस–पास के बारे में जानकारी प्राप्त करते हैं।
4. नेवला गोबरैल, मिलीपीड तथा अन्य छोटे जीवों का शिकार करते हैं। वे अपनी आवाज़ से अपने साथियों को सूचना देते हैं।
5. मादा नेवला अपने बच्चों को दीमक के पुराने ढूह या खोरपले तने में जन्म देती है। जब एक नेवला भोजन की तलाश में जाता है तो दो पुरुष नेवला बच्चों की रखवाली करता है। वे बच्चों को अकेला नहीं छोड़ते।
6. ऊँट के कूबड़ में वसा भरी होती है। भोजन के अभाव की स्थिति में इसी वसा से ऊँट पोषण प्राप्त करता है।
7. मैदानी भागों में जहाँ हरियाली ही हरियाली अपनी छटा बिखेरती है। चारों तरफ़ वन, पेड़–पौधे नज़र आते रहते हैं। वहीं दूसरी ओर रेगिस्तान में पेड़–पौधों तक का स्थान नहीं है। हर जगह रेत ही रेत, उमस ही उमस और धूल–मिट्टी। रेगिस्तान धरती का सबसे सूखा स्थान होता है। यहाँ कभी–कभी तो महीनों या सालों तक बारिश नहीं होती। जहाँ मैदानी या पेड़–पौधों वाले इलाकों में पशु–पक्षी अपने खाने–पीने का इंतज़ाम कर लेते हैं। वहीं रेगिस्तान के जीव–जंतु पानी के लिए तड़पते हैं। मैदानी स्थानों की अपेक्षा रेगिस्तान में रहने वाले जीव–जंतुओं का जीवन जीना अत्यंत दुष्कर होता

है। मैदानी इलाकों में जहाँ हरे-भरे फूलों वाले पौधे हैं वहीं दूसरी ओर रेगिस्तान में कँटीले-झाड़ियाँ होती हैं। जिनमें केवल वसंतु ऋतु में थोड़े रंग-बिरंगे फूल खिलते हैं।

8. ऊँट दो प्रकार के होते हैं। एक कूबड़ वाले और दो कूबड़ वाले। भोजन के अभाव में ऊँट को ऊर्जा उनके कूबड़ में स्थित वसा से मिलती है।
9. ऊँट रेगिस्तान के कठिन हालातों का सामना कर पाता है इसीलिए ऊँट को रेगिस्तान का जहाज़ कहा जाता है।

भाषा और व्याकरण

क. निम्नलिखित वाक्यों में से उद्देश्य और विधेय छाँटकर लिखिए–

1. नेवले समूह में शिकार करना पसंद करते हैं।
   उदेश्य–नेवले
   विधेय–समूह में शिकार करना पसंद करते हैं।
2. मादा नेवला लगभग एक ही समय में बच्चे देती है।
   उदेश्य–मादा
   विधेय–लगभग एक ही समय में बच्चे देती है।
3. ऊँट रेगिस्तान का प्रमुख जंतु है।
   उदेश्य–ऊँट
   विधेय–रेगिस्तान का प्रमुख जंतु है।
4. उस विशालकाय हाथी ने नदी में स्नान किया।
   उदेश्य–उस विशालकाय हाथी
   विधेय–नदी में स्थान किया।

ख. नीचे लिखे शब्दों का अलग-अलग अर्थ लिखिए–

1. काफ़ी-कॉफ़ी –
   काफ़ी – पर्याप्य   कॉफ़ी – पीने वाली
2. बार-वार –
   बार – फिर से   वार – हमला
3. हंस-हँस –
   हंस – एक पक्षी   हँस – हँसना

ग. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए–

शब्द	**भाववाचक संज्ञा**
आवश्यक	आवश्यकता
काँटा	कँटीला
पूजना	पूज्यनीय
ज़हर	जहरीला
अच्छा	अच्छाई
रेगिस्तान	रेतिला
प्यासा	प्यास
बहादुर	बहादुरी

घ. दिए गए वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति रंगीन शब्दों के विलोम शब्द से कीजिए–

1. वह साँप जीवित नहीं **मृत** है।
2. गीला कपड़ा धूप में डाल दो और **सूखा** कपड़ा उठा ले आओ।
3. पक्षी ठंडे स्थानों से अपेक्षाकृत **गरम** स्थानों में प्रवास करते हैं।
4. उसके परिवार में चार पुरुष तथा तीन **स्त्रियाँ** हैं।

ङ. निम्नलिखित सहचर शब्द युग्मों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. रंग-बिरंगा – मैंने कल रंग-बिरंगा पक्षी देखा।
2. जीव-जंतु – जंगल में अनेक जीव-जंतु होते हैं।
3. आस-पास – मेरे घर के आस-पास पार्क हैं।
4. नदी-नाला – घर के पास के नदी-नाला साफ होना चाहिए।

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

आदर्श प्रश्न पत्र-1

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (i) भारतभूमि की संपत्ति	2. (ii) बहादुर सिंह
3. (i) रंग	4. (i) देवता
5. (i) एक	6. (ii) 14 नवम्बर को
7. (ii) माँ	8. (iii) पढ़ने में
9. (ii) ऊँट	10. (i) विहग

ख. रिक्त स्थानो की पूर्ति कीजिए–

1. दवा खाने से ही रोगी व्यक्ति **निरोगी** हो सकता है।
2. **लोगों** को उस पर अपार **श्रद्धा** है।
3. उस **श्रृंखला** को मैं कभी तोड़ना नहीं चाहूँगा।
4. रेगिस्तान धरती का सबसे **सूखा** स्थान होता है।
5. किसान के लड़के का नाम **नंदलाल** था।

ग. किसने - किससे कहा?

1. बुद्धा लाल ने माँ से।
2. बाबा भारती ने खुद से।
3. साधु ने किसान से।
4. आचार्य ने दीपक से।

घ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. सरस्वती का पावन मंदिर यह समस्त प्राकृतिक वस्तुएँ रूपी संपत्ति है।
2. बाबा भारती अपने सुंदर घोड़े सुलतान को देखकर मुग्ध होते थे।
3. मूसलाधार बारिश होने से गाँव के पास वाली नदी में बाढ़ आ गयी।
4. नेहरू जी का कहना था कि भारतीय जनता ने मुझे इतना प्रेम दिया कि मैं चाहे जो भी करूँ वह बहुत कम होगा।
5. अनुशासन दो शब्दों से मिलकर बना है। अनु + शासन अर्थात् शासन के पीछे चलना या नियमों का पालन करना।

च. सही कथन के सामने सही (✓) और गलत कथन के सामने गलत (✗) का चिह्न लगाइए–

1. (✗) 2. (✓) 3. (✗)
4. (✗) 5. (✗)

छ. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखिए–

1. सिक्का जमाना – अपनी हुकूमत करना।
2. कचूमर निकालना – बुरी तरह से नष्ट करना।
3. भीगी बिल्ली बन जाना – डर जाना।
4. लट्टू होना – मोहित होना।
5. ऑखें दिखाना – गुस्सा करना।

ज. छात्र स्वयं करें।

पाठ–10 रहीम के दोहे

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (ii) बिगड़ी बात 2. (i) दु:ख में
3. (iii) सरवर 4. (ii) पान

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. सुजान अपनी संपत्ति दूसरों की भलाई के लिए रखते हैं।
2. किसी से कुद माँगने से इज्जत समाप्त हो जाती है।
3. सुख में सुमिरन करने से दुख नहीं मिलता।
4. राजाओं का राजा वह होता है जो दूसरों के दुख को अपना समझकर उसके निवारण हेतु कार्य करे।
5. जिस प्रकार एक तलवार काटने का कार्य करती है। घायल करती है, भागों में बाँट देती है उसकी प्रकार सुई का कार्य दो चीज़ों को जोड़ने का काम करती है। इसमें महत्वपूर्ण कार्य सुई का है।
6. वृक्ष और तालाब के उदाहरण से हमें नीति संबंधी यह बात समझाई गई है कि ये दोनों जिस प्रकार अपने फल और पानी का स्वयं इस्तेमाल न करके दूसरों को देते हैं अर्थात् परोपकार करते हैं उसी प्रकार हमें भी इनसे प्रेरणा लेकर परोपकार की भावना अपने मन में रखनी चाहिए।
7. बिगड़ी बात को लाख कोशिशों से भी नहीं बनाया जाता क्योंकि एक बार रिश्तों में दरार होने पर उसे वापिस जोड़ना तो मुमकिन है पर दिलों में गाँठ पर जाती है। जो कोशिश करने पर दूर नहीं जा सकती।
8. सुई का उदाहरण हमें ये शिक्षा देता है कि हमें हमेशा जोड़ने का काम करना चाहिए। क्योंकि इतनी–सी होने पर भी सुई बड़े–बड़े काम कर देती है।
9. रहीम जी हमें सुख से दुख दोनों में ही भगवान को याद करने की शिक्षा देते हैं।
10. अपने मन से चाह और चिंता मिटा देने से व्यक्ति चिंता मुक्त, प्रसन्न और बेपरवाह हो जाता है।

भाषा और व्याकरण

क. निम्नलिखित शब्दों के 2-2 पर्यायवाची लिखिए–

1. तरूवर – पेड़, वट
2. सरवर – तालाब, सरोवर
3. तलवार – असि, कृपाण
4. चाह – इच्छा, कामना
5. नैन – नयन, आँख
6. दूध – दुग्ध, क्षीर

ख. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

1.	लघु	–	दीर्घ	2	दुःख	–	सुख
3.	सुजान	–	कुजान	4.	हित	–	अहित
5.	आदर	–	निरादर				

ग. अनुप्रास अलंकार का दो अन्य उदाहरण लिखिए–

1. तरनि तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाए।
2. चारु चंद्र की चंचल किरणें।

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ–11 स्वावलंबी बनो

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (iii) गेहूँ पिसवाकर लाने के लिए
2. (ii) उसे शर्म महसूस हो रही थी
3. (ii) रिंकू का मित्र

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. घर में आटा खत्म हो जाने के कारण माँ रिंकू से गेहूँ पिसवाकर लाने को कह रही थी।
2. रिंकू को शर्म आ रही थी इसलिए वह आटा पिसवाने से मना कर रहा था।
3. रिंकू ने काम न करने के लिए दलील देते हुए कहा कि मैं यह काम नहीं करूँगा, मैंने यह काम पहले कभी नहीं किया है और यह भारी डिब्बा मुझसे नहीं उठ पाएगा।
4. आटा पिसवाने में ज़्यादा समय लगने के कारण रिंकू अपने मित्र संजय के पास समय बिताने गया।
5. संजय अपनी दुकान में झाड़ू लगा रहा था।
6. रिंकू की बात का संजय ने उत्तर देते हुए कहा कि अपना काम करने में शर्म कैसी? और हमारे स्कूल में भी तो यही सिखाया जाता है कि स्वावलंबी बनो।

ग. छात्र स्वयं करें।

घ. छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

क. मूल शब्दों में निम्नलिखित प्रत्ययों का प्रयोग करते हुए नवीन शब्द बनाइए–

अभिमानी	असफलता	स्वतंत्रता
बेकारी	अपमानित	सुलभता

ग. निम्नलिखित उपसर्ग तथा प्रत्ययों का प्रयोग करके शब्द बनाएँ–

अ	+	सफल	+	**ता**	=	**असफलता**
अनु	+	करण	+	**ईय**	=	**अनुकरणीय**
अ	+	सक्षम	+	**ईय**	=	**अक्षमीय**
		इज़्ज़त	+	**दार**	=	**इज्जतदार**

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ–12 सच्चा हितैषी

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1.	अ	2.	खूब	3.	उप
4.	अव	5.	वि		

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. रवि को हॉस्टल छोड़ते वक्त माँ ने कहा कि– बेटा! तुम्हारे पिताजी की यही इच्छा थी कि मैं तुम्हें खूब पढ़ाऊँ। मैं भूखी रह लूँगा, पर तुम्हें कोई तकलीफ नहीं होने दूँगी। तुम मन लगाकर पढ़ना और अपने पिताजी का सपना पूरा करना।
2. नहीं।
3. रात भर किशन रवि के बारे में ही सोच रहा था इसलिए सो न सका।
4. किशन ने रवि से पढ़ने के लिए कहा तो रवि ने कहा कि तुम बेकार ही परेशान होते हो, मैं बस उतना ही पढ़ता हूँ जितना ज़रूरी है।
5. रवि को रास्ते पर लाने के लिए किशन ने मंदिर के पुजारी के साथ मिलकर एक गुप्त योजना बनाई।

6. मंदिर वाली बात से रवि बिल्कुल बदल गया उसने पूरी लगन व परिश्रम से पढ़ाई करना शुरू कर दिया।
7. वार्षिक परीक्षा में रवि ने कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

ग. रिक्त-स्थान भरिए–

1. रवि उन्हें **हॉस्टल** के फाटक तक पहुँचाने गया था।
2. लेकिन दूसरे लड़के भी अब उसे **नापसंद** करने लगे हैं।
3. उनके सपनों को **जानबूझकर** कर मिटा रहे हो।
4. **दर्शन** करने वालों की भीड़ लगी रहती है।
5. शाम को कमरे में आकर **होमवर्क** करने बैठ गया।
6. किन्तु मुझे न **आश्चर्य** था न अफ़सोस।

घ. सही वाक्य के सामने (✓) चिह्न लगाइए–

1. (✗) 2. (✓) 3. (✓)
4. (✓) 5. (✓)

भाषा और व्याकरण

क. निम्न शब्दों में 'इन' प्रत्यय लगाकर स्त्रीलिंग शब्द बनाइए–

पुल्लिग	स्त्रीलिंग	पुल्लिग	स्त्रीलिंग
पुजारी	पुजारिन	सुनार	सुनारिन
लुहार	लुहारिन	धोबी	धोबिन
नाई	नाईन	चमार	चमारिन
कहार	कुम्हारिन		

ख. निम्नलिखित के लिए उपयुक्त लोकोक्तियाँ लिखिए–

काम अपने आप बन जाना
(आम के आम गुठलियों के दाम)
जबदस्ती गले पड़ना
(बेगानी शादी में अब्दुल्ला दिवाना)
एक के बाद दूसरी मुसीबत आना
(आगे कुआँ पीछे खाई)
एक प्रयत्न से दो काम बन जाना
(आम के आम गुठलियों के दाम)
डींग मारने वाले काम नहीं किया करते
(जो गरजते हैं वो बरसते नही)
अवसर के अनुसार बदल जाना
(गगां आए तो गगां दास, जमुना गए तो जमुना दास)

ग. विलोम शब्द–किसी शब्द के उल्टे अर्थ का बोध कराने वाले शब्द को विलोम शब्द कहते हैं; जैसे–

उल्टा =	सीधा	सत्य =	असत्य
अच्छा =	बुरा	सच्चा =	झूठा
मान =	अपमान	यहाँ =	वहाँ

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ–13 बाल अवस्था की यादें

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (iii) जीजी 2. (i) चचेरे भाई ने
3. (ii) कैस्टर ऑयल 4. (ii) क्रांति
5. (i) हवाई–जहाज की

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. लेखिका बचपन में इतवार की सुबह मोजे धोने के बाद अपने जूते पॉलिश करती।
2. लेखिका बचपन में चॉकलेट, टॉफी कॉफल चने मज़ा ले–लेकर खाती थी।
3. लेखिका की आँखें कमज़ोर हो जाने के कारण लेखिका को चश्मा लगाना पड़ा।
4. पहले लेखिका रंग–बिरंगे कपड़े पहना करती की पर अब सफेद या हल्के रंग के कपड़े पहनना पसंद करती।
5. गरम चने की पुड़िया।
6. जहाँ लेखिका के समय में रेडियो, टेलीविजन नही थे केवल ग्रामोफोन थे। उनके बचपन में कुल्फी थी। कचौड़ी समोसा था, शहतूतए फालसे के शरबत थे जिनका रूप आज के समय में फोल्ड ड्रिंकए आइसक्रीम पेटीज ने तो लिया था। साथ ही साथ ही साथ पहनावे में भी बहुत अतंर आ गया है।
7. शिमला के कॉफल चने जोर गरम, अनारदाने का चूर्ण ऑलिव ऑयल या कैस्टर ऑयल और फालसे, आदि अनेक चीजे थी जो लेखिका को बचपन में पसंद थी।

8. शिमला में जब भी हवाई जहाज के उड़ने की आवाज आती तो बच्चे बाहर चिल्लाते हुए दौड़ते। ऐसा लगता मानो पक्षी भारी भरकम पंख फैलाए उड़ उहे हो। गाड़ी के मॉडल वाली दुकान के आगे एक ओर जो लेखिका को आज भी याद है। उसने वहाँ घोडो की सवारी भी की। जाखू का पहाड़ और ऊँचा चर्च मनमोहक था।
9. लोग कहते–इतनी सी उम्र मे चश्मा, तो कोई कहता लगूंर की सूरत लग रही है। पर लेखिका कहती–इसकी जिम्मेदार मैं ही हूँ अगर मैं रात में टेबल लैंप के सामने बैठकर न पढ़ती तो आज मेरी आँखों में चश्मा न होता।
10. जब लेखिका ने पहली बार चश्मा लगाया तो वो बहुत परेशान हुई, बहुत खीझी। घंटों आइने के सामने खड़ी होकर खूद को देखती पर बार–बार चश्मा लगाने से उसके चेहरे के साथ चश्मा घुल–मिल गया तो उसे अच्छा लगने लगा। अब बिना चश्मा उसका चेहरा खाली–खाली लगने लगता।

ग. दिए गए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. (बाल अवस्था की यादें)
2. क्योंकि यहीं लेखिका का पहला चश्मा बना था।
3. कि दूध पिया करो, कुछ देर पहन कर चश्मा उतार दिया करो।
4. लेखिका खुद थी क्योंकि वह दिन के उजाले को छोड़कर रात में टेबल लैंप के सामने पढती थी।

भाषा और व्याकरण

क. क्रियाओं से भाववाचक संज्ञा बनती हैं।

हड़पना	–	हड़प	पलटना	–	पलट
चिढ़ना	–	चिढ़	समझना	–	समझ
भागना	–	भाग	मारना	–	मार

ख. 'चार दिन', 'कुछ व्यक्ति' आदि शब्दों में 'चार' और 'कुछ' शब्द से संख्या या परिमाण का आभास होता है। ये संख्यावाचक विशेषण हैं। 'चार दिन' से निश्चित संख्या का बोध होता

क. निश्चित संख्यावाचक
ख. निश्चित परिमाणवाचक
ग. अनिश्चित संख्यावाचक
घ. अनिश्चित परिमाण
ङ. अनिश्चित संख्यावाचक

ग. ऐसे शब्द, जो दूसरी भाषा से आए हैं और अब हिंदी भाषा में प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें विदेशी शब्द कहते हैं।

ग्रामोफोन	कुल्फी
फिल्म	फ्रिल

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ–14 अँधेर नगरी

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (ii) गोवर्धनदास 2. (iii) मिठाई
3. (i) कल्लू बनिया 4. (i) राजा

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. हर चीज का भाव सुनकर गोवर्धनदास बहुत खुश हुआ और सोचने लगा यहाँ तो सब कुछ टके सेर मिलता है।
2. ''अँधेर नगरी, चौपट राजा, टके सेर भाजी टके सेर खाजा।''
3. महंत ने अपने चेले गोवर्धनदास को पश्चिम की ओर और नारायण दास को पूख की ओर भेजा।
4. फाँसी के फँदे के लायक मोटा होने की वजह से सिपाही गोवर्धनदास को फाँसी पर चढ़ाने के लिए पकढ़ने आए थे।
5. अतं में फाँसी राजा को ही दी गई।
6. मंत्री ने सोचा कि कही यह बेवकूफ इस बात पर सारे शहर को न फूँके दे या फाँसी दे दे।
7. गुरु के यह झूठ कहने पर कि जो इस समय फाँसी चढेगा वह सीधा स्वर्ग जाएगा, यह सुनते ही सब फाँसी पर चढ़ने को तैयार हो गए ओर गुरु ने अपने चेले को बचा लिया।
8. महंत जी के अनुसार जहाँ सब चीजे टके सेर मिलती है वहाँ रहना खरते से खाली नही। यह सोचकर महंत जी

अंधेर नगरी में नही सके। लेकिन गोवर्धनदास को वह देश सस्ता लगा इसलिए वह वही रूक गया।

9. फरियादी की फरियाद से कल्लू बनिए, कारीगर, चूने वाले, भिश्ती, कसाई, गड़रिए, कोतवाल को दरबार में बुलाया गया क्योंकि ये सभी कही न कही दीवार के गिरने के कारण बनें।

10. चौपट राजा मंदबुद्धि था। जो उसे कुछ कहता वह वैसा ही करता। उसने बिना सोचे न्याय करना शुरू किया जिससे यह लगता है कि वह न्यायप्रिय और सही राजा नही था। उसका न्याय करने का ढंग गलत था।

ग. किसने, किससे कहा–

	किसने	**किससे**
1.	महंत ने	गोवर्धनदास से
2.	राजा ने	कोतवाल से
3.	महंत ने	मंत्री से
4.	राजा ने	सिपाही से
5.	महंत ने	गोवर्धन दास से

भाषा और व्याकरण

क. वाक्य का वह भाग जो दर्शाता है कि वाक्य किसके लिए है, उसे उद्देश्य कहते हैं। वह भाग जो उद्देश्य के बारे में जानकारी देता है, उसे विधेय कहते हैं।

क. उद्देश्य – मेरी बकरी
विधेय – कल्लू बनिये की दीवार के नीचे दबकर मर गई।

ख. उद्देश्य – मैं
विधेय – निर्दोष हूँ।

ग. उद्देश्य – कोतवाल साहब
विधेय – की सवारी आ रही थी।

घ. उद्देश्य – गोवर्धनदास
विधेय – मिठाई खा-खा कर बहुत मोटा हो गया है।

ङ. उद्देश्य – मैंने
विधेय – तो तुम्हें पहले भी समझाया था।

च. उद्देश्य – नारायण
विधेय – सब ठीक करेंगे।

ख. वर्ण–विच्छेद:-

क. ख.

ग. घ.

ग. निम्नलिखित शब्दों के संधि–विच्छेद कीजिए–

क. विद्या+ आलय ख. जगत + ईश

ग. सूर्य + उदय घ. परिणाम + स्वरूप

घ. निम्नलिखित वाक्यों में उचित सर्वनाम लगाकर वाक्य दुबारा लिखिए:

1. राज बीमार वह सो रहा है।
2. आगरा में है। उसे देखने देश–विदेश से लोग आते हैं।
3. धरती सूरज के आस–पास घूमती है। इस पर ही जीवन संभव है।
4. अध्यापक हिंदी पढ़ा रहे हैं। वे पाठ अच्छे ढंग से समझाते हैं।

खेल–खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ–15 हँसों और हँसाओ

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (ii) संत तुकाराम 2. (i) प्रेमचंद
3. (iii) नेहरू 4. (ii) मेहनती
5. (i) तीन

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. विश्वास करने योग्य एक सच्च मित्र होता है। जो हमें हसाँए और खुद भी हसँता रहे। यह पाठ का मुख्य आधार 'विनोद' है। इस पाठ में लेखक ने राजनीतिक, प्रशासनिक और सामाजिक जीवन में रोचक प्रसंग प्रस्तुत किए है। विश्वसमीय और हसंमुख मित्र आमोद–प्रमोद करके हमारा मनोरंजन करता है।
2. हममें खुलकर हँसने की क्षमता की कमी होने के कारण समाज में लड़ाई–झगड़े होते है।
3. प्रेमचंद को
4. जो हँस नही सकता, वह स्वंय भी दुखी रहता है और दूसरों को भी दुखी करता है जहाँ लोग खुलकर हँसते है वहाँ वे लोग मृकुटि ताने खड़े रहते है। सब हसँमुख

लोग अपना समय हसँकर बिताते है परंतु जो उदास ही रहता है वह अपने जीवन को खुद कष्टमय बना डालता है जिस कारण वह दया का पात्र बन जाता है।

5. स्टालिन तानाशाह थे, किसी से भी डंडे के बल पर अपनी बात मनवाता था परंतु गांधी जी हसँते रहते थे स्वयं की भी गलतियों पर दिल खोल कर हँस सकते थे दूसरी तरफ स्टालिन से ऐसी आशा नही की जा सकती। दोनो में समानता यही थी दोनों से जबरदस्ती कोई कुछ भी काम नही करवा सकता था।
6. हसँना एक नियामत है जो हसँता नही है वह दुखी जीवन व्यतीत करता है। जो हसँ सकता है वह मित्र बनाने योग्य है क्योंकि ऐसा मित्र हमें मुश्किलों में भी हँसते रहने की सीख देता है। ऐसे लोग जीवन में कभी परेशानी महसूस तक नही करते।
7. हिटलर अंदर ही अंदर सुलगता रहता था। नेपोलियन भी धुनने स्वभाव का था और साथ ही अंतर्मुखी प्रवृत्ति का भी। हिटलर और नेपोलियन निश्चय ही महान थे अद्‌भुत शक्तियों के स्वामी थे परंतु उन्होंने अपनी सामर्थ्य का उपयोग लोगों की भलाई के लिए नही किया इस कारण वे महान नही बन पाए।

ग. आशय स्पष्ट कीजिए–

1. इन पंक्तियों के कहने का आश्य यह है कि यह जीवन एक सग्रांम (युद्ध) के समान है जो मेहनती होता है वह जीतता रहता है पर जो थक जाता है था परिश्रम नही करता वह हमेशा पीछे रहता है। हमें इस सग्रांम को एक धर्मयुद्ध बनाना होना जिससे हम हँसते–हँसते लडे, मुँह में चमक लाए न कि मनहूसियत फैलाए।
2. आशय – इन पंक्तियों को कहने का आशय है कि हँसी फेक या बनावटी न होकर स्वच्छंद होनी चाहिए जिसे देखकर या सुनकर दुसरा भी मन से खुश हो, न कि हमारी बनावटी हँसी उसे उदासी के माहौल में घेर ले।

भाषा और व्याकरण

क. अशुद्ध शब्दों को शुद्ध कीजिए–

1. गाँधी 2. वांचित
3. प्रवृत्ति 4. दुर्जनों
5. भ्रुकुटी 6. निर्विकार

ख. निम्नलिखित शब्द युग्मों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए–

1. मस्त – मगन
   वाक्य – रीमा रामलीला देखने में मस्त थी।
   त्रस्त – नष्ट, बेकार
   वाक्य – बाढ़ ने सब कुछ त्रस्त कर दिया
2. निश्छल – पवित्र
   वाक्य – बच्चों का मन निश्छल होता है
   निश्चय – पक्का
3. सम्मान – इज्जत
   वाक्य – सेठ जी को सम्मान मिला।
   समान – बराबर
   वाक्य – हम सब समान है।
4. मुद्रा – रूपया/पैसा
   वाक्य – रोहन के पास बहुत मुद्रा है।
   मुर्दा – शव
   वाक्य – कल शाम किसी का मुर्दा शरीर घर के आगे से जा रहा था।

ग. निपात वे अव्यय शब्द हैं जो वाक्यों में किसी शब्द के बाद बल देने के लिए लगाए जाते हैं।

1. भी 2. तो 3. तो
4. तफ 5. मात्र

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ–16 गुलामी से आजादी

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (iii) शुक्ला जी 2. (i) अभागा
3. (i) पिंजरे में

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. तोता पंडित जी के मजबूत मकान में रह रहा था, दाना पानी खा रहा था यह सोच वह खुश था।

2. पिंजरे का तोता न तो खुशी हवा में घूम रहा था न अपनी मर्जी से कुछ खा पी रहा था इसलिए जगली तोते को पिंजरे का तोता अपने जैसा नही लगा।
3. पिंजरे का तोता स्वतंत्रता और गुलामी के अतंर को समझ नही पा रहा था इसलिए जगंली तोते की नजर में वह अभागा था।
4. पिंजरे को तोता अपनी खुशकिस्मती मानता था कि उसका स्वामी उसे खिलाता-पिलाता उसकी खुद रक्षा करता है यह मान वह अपने को श्रेष्ठ बता रहा था।
5. पंडित जी ने अपने बेटे को कहा कि - इस जंगली तोते को मारकर उड़ा दो। इसी ने हमारे तोते को मारा है''
6. जंगली तोते ने पिंजरे के तोते को सलाह देते हुए कहा कि तू अपने मालिक भी बात मत मानना।
7. पिंजरे का तोता मरने के उपरांत ही उस पिंजरे से स्वतंत्र हुआ।
8. जंगली तोते ने पिंजरे के तोते को यह समझाते हुए कहा कि- जिसे तू अपना घर समझ बैठा है वह तेरे पाँव पर पड़ी जंजीर है। तूने अपना खाना-पीना मरना-जीना किसी दूसरे के हाथों सौंप दिया है। तू अब जीवन के मजे नही लूट पाएगा। तू हर चीज के लिए अपने मालिक पर निर्भर है इसलिए तेरा मालिक और यह पिंजरा ही तेरा दुर्भाग्य बन चुका है।
9. हम दोनो तोतो में से खुले आकाश में घूमने वाले तोते का जीवन श्रेष्ठ मानते है क्योंकि न उस पर किसी दवाब का असर है न वह किसी पर निर्भर है और किसी पर निर्भर होना तो मर जाने के समान है।

ग. आशय स्पष्ट

1. आशय - यहाँ कहने का आशय है कि जंगली तोता पिंजरे के तोते को बोलना चाढ़ रहा है कि तू आजादी और गुलामी के अंतर को पहचान नही पा रहा है। लगता है मानो तुझे स्वतंत्र रहना पसंद नही।
2. इन पंक्तियों में भी जंगली तोते ने बड़े सुंदर ढंग से जीवन की सच्चाई के प्रति पिंजरे के तोते को परिचित कराया है कि जीवन में अगर मुसीबत का सामना न हो तो वह जीवन व्यर्थ है। स्वतंत्र रहकर मैं अनेक मुसीबतों का सामना कर पाने में सक्षम हूँ तू बस पिंजरे में रहता हुआ भी मृत के समान है।
3. इन पंक्तियों को कहने का आशय है कि पिंजरे में रह रहे तोते को जंगली तोते ने जीवनदान दिया है वरना उसकी पिंजरे में जो हालत होती वह सहन नहीं कर पता कैद में रहने से तो अच्छा मरने पर आजादी है।
4. जंगली तोते ने यह पंक्ति पिंजरे वाले तोते को कही जिसका आशय है कि पिंजरे में कैद होने के बाद तो तेरा तुझ पर कोई अधिकार नही। इसमें तो तेरा मरना जीना सब तेरे मालिक के हाथों में सर्पित है।

भाषा और व्याकरण

घ. उचित स्थानों पर उचित विराम चिह्न लगाइए:

1. जंगली तोते न पूछा - ''भाई! तू कैसा पंछी है?''
2. तूने अपना जीना, मरना, खाना, पीना दूसरे के हाथ में सौंप रखा है।
3. तोते ने सोचा कि- ''मैं इसका गुलाम नही हूँ'' और बिना जवाब दिए छाती पर दूसरा घाव खाकर, दूसरी तरफ हट गया।
4. जंगली तोते ने कहा- ''जब गुलाम अपने मालिक की बात नही मानता तो उसका सही हाल होता है।''

ङ. **संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं।** जैसे:- जंगली तोता विशेषण शब्दों के नीचे रेखा खीजिए:

1. जंगली तोते को चूरी दो।
2. उसने एक लंबी सींक पिंजरे में डाली।
3. भारतीय सैनिक बहादुर हैं।
4. कुछ लड़के शरारत कर रहे हैं।
5. लाल गुलाबों को गुलदस्ता बना दो।

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-17 परिश्रम का तंत्र

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (i) परिश्रम
2. (i) मुखिया
3. (iii) हाथी
4. (ii) आमोद-प्रमोद
5. (i) रमेश

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. रमेश ने चबूतरा आपस में बातचीत और आयोद प्रमोद करने करने के लिए बनाया।
2. हाथियों ने रमेश और उसके साथियों को इसलिए नही कुचला क्योंकि उन्होंने कभी जीवों को कष्ट नही पहुँचाया था। वो सभी जीवों से प्यार करते थे।
3. सारी असलियत जानने के बाद अपने किए गए अनुचित व्यवहार के लिए राजा ने रमेश और उसके साथियों से क्षमा माँगी।
4. मुखिया गाँव की प्रगति से बिल्कुल भी प्रसन्न नही होता था इसलिए वह गाँव वालो के काम में बाधा डालता था।
5. रमेश ने अपने साथियों को समझाते हुए कहा कि चुपचाप लेटे रहना हाथी को प्यार से देखना और गुस्से में कोई बुरे विचार मन में मत लाना।
6. रमेश के पास परिश्रम नामक तंत्र-मंत्र था
7. रमेश और उसके साथियो ने गाँववालो के साथ मिलकर यथाशक्ति तालाब कुएँ खुदवाएँ हार और सड़के बनाकर गाँद का कायाकल्प कर दिया।
8. अंत में राजा ने रमेश को गाँव का प्रबंधक नियुक्त कर एक हाथी भी सम्मानपूर्वक भेंद किया।
9. मुखिया इसलिए दुखी और परेशान थे। क्योंकि जो बुरे कामों से इन्हें जुर्माने के रूप में आमदनी होती थी वह अब बंद हो गयी थी।
10. रमेश के चरित्र की विशेषताएँ–

    रमेश बहुत ही परिक्षमी था। उसको हर काम करने का जुनून रहता था चाहे वो काम गाँव वालो की भलाई के लिए ही क्यों न हो।

    रमेश परिश्रमी होने के साथ बुद्धिधमान व्यक्ति भी था। उसकी बुद्धिमानी का पता उस समय चलता है जब उसने अपने और अपने मित्रों को हाथियों से बचाया। उसे अच्छे बुरे का ज्ञान था इस कारण अंत में उसे राजा ने गाँव के प्रबंधक के रूप में चुन लिया।

ग. किसने, किससे कहा–

	किसने	किससे
1.	रमेश ने	आदामियों से
2.	मुखिया ने	राजा ने
3.	रमेश ने	अपने साथियो से
4.	राजा ने	सिपहियो से

भाषा और व्याकरण

क. निम्नलिखित वाक्यों में उद्‌देश्य पर गोल लगाइए और विधेय को रेखांकित कीजिए:

1. (कोमल) <u>कक्षा में प्रथम आई है।</u>
2. (मेरा भाई) <u>आगरा घूमने गया है।</u>
3. (माँ) में <u>राहुल को प्यार से सुलाया।</u>
4. (दिल्ली) <u>हमारे देश की राजधानी है।</u>
5. (चोर) <u>सारा सामान लेकर भाग गया।</u>

ख. निम्नलिखित शब्दों के भिन्न अर्थ लिखिए और उनके वाक्य बनाकर अर्थ स्पष्ट कीजिए:

	शब्द	अर्थ	वाक्य
क.	जल	पानी	नदी का जल बहुत ठंडा है।
		जल जाना	वह आग से जल गया।
ख.	कर	करना	बच्चा अपना काम कर रहा है
		हाथ	उसका कर जल गया।
ग.	गति	चाल	उस हाथी का गति धीमी है।
		जाना	मोहन घर के लिए गतिमान हो गया।
घ.	उत्तर	दिशा	मेरा घर उत्तर दिशा में है।
		जवाब	उसने सही उत्तर दिया।
ङ.	काल	समय	काल गतिशील है।
		मृत्यु	रावण काकाल जल्दी ही आ गया था।

घ. दिए गए वाक्यों में रेखांकित कारक के सही भेद में (✓) का निशान लगाइए:

1. करण कारक
2. कर्म कारक
3. संबोधन कारक
4. अपादान कारक
5. संबंध कारक

ङ. निम्नलिखित तद्भव शब्दों का उनके तत्सम रूप से मिलान कीजिए:

	तद्भव	**तत्सम**
क.	मैदान	क्षेत्र
ख.	हाथ	हस्त
ग.	पैर	पाद
घ.	हाथी	पाद
ङ.	पानी	जल
च.	गाँव	ग्राम
छ.	प्यार	प्रेम
ज.	घर	गृह

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-18 एक गंभीर समस्या

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (iii) चार 2. (i) 78.09%
3. (iii) पत्तियाँ 4. (i) श्रवण शक्ति
5. (iii) मौसम चक्र

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. पर्यावरण-प्रदूषण आज संपूर्ण विश्व की समस्या है। मानव ने ही इसे जन्म दिया है। आज जनसंख्या वृद्धि मौसम चक्र में बदलाव यह सब प्रदूषण को लगातार बढ़ाने वाले कारक हैं।
2. चिपको आंदोलन के अनुसार जब कोई पेड़ काटता था तो चिपको आंदोलन के कार्यकर्ता उन पेड़ो से चिपक जाते थे और उन्हे काटने से बचाते थे।
3. वायु प्रदूषण लगातार गाड़ियो के निकलने वाले धुएँ फैक्ट्रियों के धुएँ और पेड़ पौधो के कटने से होता है। वायु प्रदुषण होने से कैंसार, हृदय रोग, रक्तचाप, दमा आदि विभिन्न रोग फैल रहे है।
4. नदियों में कल-कारखानों से निकलने वाली गंदगी प्रवाहित की जाती है। लोग कचरा नदियों में भी डालने लगे है जिससे जल प्रदूषित होता जा रहा है और जल प्रदूषण की समस्या बढ़ रही है। इसे रोकने के लिए हमें जागरूक होना पड़ेगा और नदी नालो के पानी में गदंगी वे कचरा डालने वालों कारकों पर रोक लगानी होगी।
5. आजकल गाड़ियों के हार्न, लाउडस्पीकरों रेडियों टी०वी की ऊँची आवाजों के कारण ध्वनि प्रदूषण फैल रहा है। तेज ध्वनि के कारण हमारी श्रवण शक्ति पर बुरा असर पड़ रहा है। साथ ही हृदय गति भी प्रभावित होती है।

ग. आशय स्पष्ट

1. **आशय** - आज भारत विकासशील देश है। पर प्रदूषण हमारे देश के प्रमुख कारको को प्रभावित कर रहा है। इसलिए मानव को जागरूक होना पड़ेगा जिससे भारत अपने औद्योगिक क्षेत्रों में बहुतायत से उन्नति कर सके और विकासशील देश से विकसित देश में बदल जाए।
2. **आशय** - पृथ्वी तभी सुरक्षित है जब हमारा पर्यावरण सतुंलन भी सुरक्षित हो, सुदंर हो क्योंकि पर्यावरण सतुंलन बिगड़ने पर पृथ्वी भी डॉवाडोंल हो सकती है। जब हमारी धरती प्रदूषण मुक्त होगी तब यहाँ जीवन संभव हो पाएगा।

भाषा और व्याकरण

क. वचन बदलिए-

1. पत्ती 2. वनस्पति
3. आवश्यकता 4. वृक्ष

ख. उपसर्ग या प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए- जैसे शत्रु - शत्रुता

1. विर्षला 2. आवश्यकता
3. अस्वस्थ

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-19 मत बाँटों इंसान को

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (iii) इंसान 2. (i) दीपक
3. (iii) प्यार 4. (i) बहार

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. रेगिस्तान।
2. दीपक केवल महलो में ही उजाला करने को मजबूर है क्योंकि वह वहाँ का बंदी बन कर रह गया है।
3. मौसम की।
4. इसांन को इंसानियत से मिलाने की मंजिल दूर है।
5. इसांन को बाँटने का मतबलए उनके बीच जाति धर्म का भेद लाना है।
6. प्यार रूपी जल द्वारा चट्टान की प्यास बुझाई जा सकती है।
7. सबके एक साथ आने से सुरक्षा होगी।
8. यह कविता हमें मिलजुल कर रहने की प्रेरणा देती है।

ग. आशय स्पष्ट

1. इन पंक्तियों का आशय है कि अगर हम एक जुट होकर कदम बढाएँ तो सभी सुरक्षित भी महसूस कर सकते है। क्योंकि एकता में बल है। हमें एक-साथ रहकर आपसी प्रेम बढ़ाकर हर मायूस घर-आँगन को खुशियों रूपी बहार से भना होना। हर मनुष्य या हर घर का हक हो कि वह स्वतंत्र विचरण कर सके, आपसी प्रेम बाँट सके। कदम से कदम मिलाकर चल सके सबकी उन्नति का कामना करे।
2. आशय - कहने का तात्पर्य यह है कि महलो में जिस प्रकार दीपक की रोशनी बंधक बन कर रह जाती है तो उसका खुद का अस्तित्व खत्म हो जाता है। दीपक भी मजबूर होकर केवल वही तक रोशनी कर पा रहा है अर्थात् हमें सबके मन से अज्ञान रूपी अंधकार मिलाकर ज्ञान का प्रकाश फैलान होगा।

भाषा और व्याकरण

क. शब्दों के विपरीत अर्थ बताने वाले शब्दों को विलोम शब्द कहते हैं।

बंदी	आज़ाद
खिलना	मुरझाना
आरंभ	अंत
हरी-भरी	अंत
प्यार	नफ़रत

ख. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखिए:

क.	इसांन	ख.	ऊपर
ग.	मौसम	घ.	चट्टान
ङ.	रौंद	च.	प्यासी

ग. सभी समान अर्थ वाले शब्दों को हम पर्यायवाची शब्द कहते हैं।

1. धरती - <u>भु</u>, <u>नभ</u>, धरा
2. सूरज - <u>शशि</u>, रवि, दिनकर
3. सागर - रत्नाकर, समुद्र, <u>मरूस्थल</u>
4. जग - दुनिया, <u>परमेश्वर</u>, संसार

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

आदर्श प्रश्न पत्र-2

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (i) बिगड़ी बात 2. (ii) रिंकू का मित्र
3. (iii) जीजी 4. (ii) गोवर्धनदास
5. (iii) मौसम चक्र 6. (iii) शुक्ला जी
7. (i) परिश्रम 8. (i) 78.09%
9. (ii) इंसान 10. (iii) प्यार

ख. रिक्त स्थानो की पूर्ति कीजिए–

1. हॉस्टल 2. सुख
3. किसने 4. दुध को
5. मदद

ग. किसने- किससे कहाँ?

1. सजंय ने रिंकू से
2. माँ ने रिंकू से
3. महंत ने अपने चेलो से
4. गोवर्धन दास ने महंत से

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. सुख मे सुमिरन करने से दुख नही मिलता।
2. स्वावलंबी का अर्थ है- अपना काम स्वंय करो
3. परिवार में सब लेखिका के पहनावे और व्यवहार के कारण उन्हे जीजी कहकर बुलाते थे

4. गुरू के यह कहने पर कि जो इस समय फाँसी चढ़ेगा वह सीधा स्वर्ग जाएगा, यह सुनते ही सब फाँसी पर चढ़ने को तैयार हो गए और गुरू ने अपने चेले को बचा लिया।
5. जो हमेशा हसँना जानता है वह तब हार में भी जीत जाता है।

ङ. सही कथन के सामने सही (✓) और गलत कथन के सामने गलत (×) का चिह्न लगाइए–

1. × 2. × 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓

च. निम्नलिखित लोकोवितयाँ का अर्थ लिखिए–

1. दोहरा लाभ होना
2. आगे कुआँ पीछे खाई
3. जबरदस्ती किसी को आपना बताना
4. जबरदस्ती गले पड़ना
5. काम ने आने पर बहाना बनाना

खेल–खेल में

छात्र स्वयं करें।

पंखुड़ी-7

पाठ-1 आजाद परिन्दे

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (i) आकुल 2. (iii) नीड़
3. (iii) कनक तीलियाँ 4. (i) कटुक निबौरी
5. (i) क्षितिज

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. क्योंकि उन्हें अपनी आजादी प्यारी थी।
2. नीले नभ में दूर तक उड़ना पेड़ों पर झूलना, कटुक निबौरी खाना आदि।
3. स्वर्ण श्रृंखला के बंधन में।
4. क्योंकि पिंजरे में कनक कटौरी की मैदा उन्हें न भाएगी उन्हें तो बहता जल तथा कटुक निबौरी प्रिय है।
5. कि वे असीमित नभ में उड़ते जाएं।
6. क्षितिज पर पहुँचकर या तो क्षितिज मिलन बन जाता या साँसों की डोरी तन जाती।

ग. आशय सपष्ट कीजिए–

1. अथति क्षितिज तक पहुँचकर या तो पंछी का क्षितिज अर्थित अपनी इच्छाओं से मिलन हो जाता या साँसों की डोरी टूट जाती।
2. पंछी का कहना है कि या तो उन्हें पंख ही न मिले होते और यदि मिले हैं तो उन्हें उन्मुक्त उड़ने दो उनकी उड़ान में विघ्न न डाला।
3. पक्षी का कहना है कि उसे कड़वे नीम की निबौरी पिंजरे में रखी मैदा से भरी सोने की कटोरी से अधिक प्रिय है।
4. इन पंक्तियों का आशय है कि सोने की जाली के बंधन में बंधे अर्थात् पिंजरे में कैद पक्षी अपनी उड़ान भी भूल जाते हैं।

भाषा और व्याकरण

क. भूखे-प्यासे, तारक अनार, होड़ा.होड़ी

ख. छात्र स्वयं करें।

ग. 1. कड़वा 2. आकाश
3. तारे 4. नीम का फल
5. 6. सोना

घ. 1. सोना, कनक 2. पेड़, वट
3. आकाश, आसमान 4. पानी, तोय

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-2 मेरी प्राण प्रिय सोना

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (ii) सुष्मिता बसु से
2. (i) लेखिका के ऊपर से छलांग लगाकर
3. (iv) कुतिया का
4. (ii) सोना मर गई थी।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. लेखिका महादेवी वर्मा ने निश्चय किया था कि अब वह हिरन नहीं पालेगीं, उन्हें अपना निश्चय बदलना पड़ा क्योंकि उन्हें लगने लगा कि इस नियम को भंग किए बिना इस कोमल जीव की रक्षा संभव नहीं है।
2. कि वह सोना के अब फिर से हिरण पाले या नही।
3. वह दिनभर इधर से ऊधर कूदती-उछलती रहती। छात्रवास में भी छात्राओं से पहले पहुँच जाती और लेखिका के दिन-भर के क्रियाकलाप में उसके साथ ही रहती।
4. क्योंकि छोटे बच्चों के पास सोना के साथ खेलने के लिए अवकाश का समय अधिक होता था।
5. कुत्ता, स्वामी और सेवक का अंतर जानता है और स्वामी के स्नेह या क्रोध करते ही सभीत और दयनीय

बनकर दुबक जाता है, पर हिरण यह अंतर नहीं जानता। अत: उसका पालने वाले से डना कठिन है।

6. एक दिन न जाने किस स्तब्धता की स्थिति में बंधन सीमा भूलकर वह बहुत ऊँचाई तक उछली और भुख के बल धरती पर आ गिरी। वही उसकी अंतिम साँस और अंतिम उछाल थी।

भाषा और व्याकरण

क. केवल पढ़ने के लिए–

ख. केवल पढ़ने के लिए–

ग. उपर्युक्त नियमो को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए–

ग्रीष्म	+	अवकाश	=	ग्रीष्मावकाश
परि	+	आवरण	=	पर्यावरण
मधु	+	आलम	=	मधुालय
न्याय	+	आलय	=	न्यायालय
सत्य	+	आग्रह	=	सत्याग्रह
सूर्य	+	अस्त	=	सूर्यास्त
वार्ता	+	आलाप	=	वार्तालाप
सूर्य	+	उदय	=	सूर्योदय
अति	+	आचार	=	अत्याचार
वार्षिक	+	उत्सव	=	वार्षिकोत्सव
पर	+	अधीन	=	पराधीन
महा	+	उत्सव	=	महोत्सव

घ. दिए गए मुहावरों के सही अर्थ के सामने सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. किसी की मदद करना   2. होश ठिकाने आना

3. खुशियाँ मनाना   4. पछताना

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-3 एक राजस्थानी लोक कथा

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (iii) चार   2. (i) लकड़ियाँ

3. (iv) गाड़ी, बैल और लकड़ियों का

4. (i) पगड़ी   5 (ii) दो मुट्‌ठी टके

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. ताकि वह गाड़ी के सामान का ही नही बल्कि संपूर्ण गाड़ी का बैल सहित मोल-भाव कर सके।
2. सेठ की धुर्तता पर
3. क्योंकि उसने गाड़ी का सौदा किया था। और चौधरी बहुत भोला था वह सेठ के जाल में फँस गया।
4. क्योंकि उसने दो मुट्ठी टके देने का वादा किया था जिसमें टके के साथ-2 मुट्ठी भी शामिल थी।
5. कि वह सेठ से अपने पिता का बदला अवश्य लेगा।

ग. आशय सपष्ट कीजिए–

1. इन पंक्तियों का आशय है कि व्यक्ति के मुख से निकली बात पक्की होनी चाहिए जो व्यक्ति अपनी दी जबान से पलट जाए वह विश्वसनीय नहीं होता।
2. इन पंक्तियों का आशय है कि जिस प्रकार सेठ ने चाल चली उसी प्रकार चौधरी के बेटे ने भी उसकी भाषा में ही जवाब देने का निश्चय किया।

घ. किसने, किससे कहा-

1. चौधरी ने सेठ से   2. सेठ ने चौधरी से

3. चौधरी ने सेठ से   4. चौधरी ने बेटे से

5. सेठ ने चौधरी से

भाषा और व्याकरण:-

1. (बुढ़ापा आना) दादाजी के सिर में काम करते-करते सफेदी आ गई।
2. (बेसुध हो जाना) सेठ की बात सुनकर चौधरी के होश-ओ-हवास गुम हो गए।
3. (बात का असर ना पड़ना) कुछ भी कह लो, मोहम के कान पर तो जूँ ही नहीं रेंगती।
4. (गुस्सा आना) सेठ की हरकत से चौधरी के बेटे की आँखों में खून उतर आया।
5. (जमकर बदला लेना) राम ने अपने साथ छल होने पर मोहन की ईंट-से-ईंट बजा दी।

6. (प्रसन्न होना) वर्षों पुराने मित्र को देखकर उसकी बाँछे खिल गई।
7. (सबक मिलना) चौधरी के बेटे के सबक सिखाने से प्रतीत होता है कि अब आया ऊँट-पहाड़ के नीचे।
8. (फँस जाना) शरारत कोई भी करे मगर बलि का बकरा तो बेचारा सोहन ही बनता है।
9. (माफी माँगना) सेठ ने अपने किए पर चौधरी के बेटे के आगे नाक रगडी।
10. (बर्बाद कर देना) परीक्षा में देर से पहुँचने पर रोहन की सारी मेहनत मिट्टी में मिल गई।

ख. रिक्त स्थानों में उचित शब्द छाँटकर लिखिए :

1. गाड़ियों 2. नदियों
3. टोपी 4. मुट्ठी
5. ज़बान

ग. इस पाठ में कुछ विशेष शब्दों का प्रयोग हुआ है जो न तो संस्कृत के हैं और न ही संस्कृत से बिगड़कर बने हैं। ये शब्द हमारी बोलियों और प्रादेशिक भाषाओं मे प्रयुक्त होते हैं, इन्हें देशज कहते हैं। जैसे- पगड़ी, हँसिए आदि। ऐसे पाँच देशज शब्द खोजकर लिखिए :

छुलिया, कलाई, बखत, जचँता,

घ. नीचे लिखे शब्दों को नाम धातु क्रियाओं में बदलिए :

1. बतियाना 2. सठियाना
3. भिनभिनाना 4. थपथपाना
5. जुतियाना 6. हिनहिनाना

ङ. निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन शब्दों का लिंग बदलकर वाक्य दुबारा लिखिए :

1. यह आम का पौधा पिछले वर्ष दादी जी ने लगाया था।
2. चौधरानी ने सेठानी को बहुत समझाया।
3. नौकरानी घर में चोरी करके भाग गयी।
4. यह युवती बहुत मधुर गाती है।
5. बच्चाी चुहिया से डरती है।

च. निम्नलिखित वाक्यों को व्याकरण की दृष्टि से शुद्ध करके लिखिए :

1. मुझे अभी नहाना है।
2. भारत में अनेक जातियाँ है।
3. गगां हमारी पवित्र नदी है।
4. रमा सुंदर गुण वाली है।
5. सेठ को सब नफ़ा नुकसान समझ में आ गया।

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-4 एक बाल कहानी

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. गंगा के निर्जन बलुका स्थल पर।
2. बालक लकड़ी से पानी में छप-छप कर रहा था जबकि बालिका अपने एक पैर पर रेंत जमाकर और थोपकर एक भाड़ बना रही थी।
3. बालिका का नाम सुरबाला था वह सातवें वर्ष में थी जबकि बालक का नाम मनोहर था वह नौ वर्ष का था।
4. किसी समतम मैदान पर अथवा ऊपर से नीचे की और चलना गति कहलाती है जबकि पृथ्वी की वह चुम्बकीय शक्ति जिसके कारण हर वस्तु पृथ्वी की तरफ आकर्षित होती है गुरूत्वाकर्षन कहलाती है।
5. कि वह फिर से बन जाएगा।
6. सुरबाला ने उसे चकनाचूर कर लिया।

ख. रिक्त स्थान भरिए-

1. थोप-थोपकर 2. साक्षात्
3. परमात्मा 4. मसोसकर
5. सुर्रो

ग. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर मोटे शब्दों के अर्थ लिखिए-

चुपचाप, चेहरे, वेकार, खाली, सामने प्रत्येक्ष, स्वर्ग के समान, मिलना

घ. निम्नलिखिम पंक्तियों का भाव लिखिए-

बालक के द्ारा बार-बार अपने बनाए हुए रेत की फुटी को तोड़ते देख बालिका उसे एकटक देखती रही। वह अचांभित थी कि कोई ऐसा कैसे कर सकता है। वह उसकी

क्रियाशीलता को देख अचांभित होती कि वह कैसे अपनी अपूर्ण शक्ति का प्रयोग कर वह कार्य कर रहा था। उस समय अगर उस बालिका से पूछा जाता कि बताओं भगवान कहाँ रहते है तो वह अवश्य उस कुटी को बोलती जो बार-बार बनकर बिगड़ रही थी।

भाषा और व्याकरण

क. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ बताइए तथा वाक्य में प्रयोग कीजिए–

मूक = (चुपचाप) विद्वान व्यक्ति मूक रहते हुए भी अपना गंतव्य समझा देते है।

मुँह = (मुख) राधा का मुँह चंद्रमा के सामान सुंदर है।

विशुद्ध = (जो साफ-सुथरा हो) माता का प्रेम विशुध्य एवं निश्चल होता है।

शून्य = (अंधकार) चिंताओं के कारण वह शून्यों में घिरा था।

साक्षात = (प्रत्यक्ष) लकड़हारे के सामने साक्षात व जल देवता प्रस्तुत हो गए।

मनोरमता = (लुभावना) उत्तराखण्ड का सौंदर्य मनोरमता है।

स्वर्गीयता = (स्वर्ग के समान) प्राकृतिक वातावरण में स्वर्गीयता का अनुभव होता है।

दर्शन = (देखना या मिलना) पिछले वर्ष हम वैष्णो देवी दर्शन करने गए।

व्यथा = (मुसीबत) भोजन ना मिलने के कारण बुढ़िया व्यथा में थी।

ख. निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए–

विग्रह		**समस्तपद**	**समास का नाम**
हाथ ही हाथ में	=	हाथों-हाथ	तन्पुरूष समास
घोड़े पर सवार	=	घुड़ सवार	तन्पुरूष समास
ऊपर और नीचे	=	ऊपर-नीचे	द्व समास
आधा मरा हुआ	=	अधमरा	अव्ययीभाव
रस में मग्न	=	रसामग्न	तन्पुरूषसमास
चन्द्रमा	=	चद्र के समान	कर्मधारय
नक्षत्र	=	नौ ग्रहो वाला	बहुर्वीहि

ग. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन लिखित–

एकवचन		बहुवचन
तोता	=	तोतों
कन्या	=	कन्याएँ
मौसा	=	मौसों
लड़ाई	=	लड़ाईयाँ
कमल	=	कमलों
जाति	=	जातियाँ
ऋषि	=	ऋषियों
दादी	=	दादी
सड़क	=	सड़को
चिड़िया	=	चिड़ियाँ

घ. केवल पढ़ने के लिए-

ङ. निम्न पंक्तियों में विराम-चिह्नों का प्रयोग करो–

सुरबाला बैसी ही खड़ी रही।

सुरी रूठती क्यों है?

बाला तनिक न हिली!

सुरी, सुरी ओ! सुरी।

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-5 सच्चा पुरस्कार

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (iii) छठी
2. (ii) लाल
3. (i) एक छोटे बच्चे ने
4. (ii) डी०एल०सी० 1392

5. (iii) नौ हज़ार सात सौ तीस

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. राशिद के पिताजी की मृत्यु के बाद वह अपनी बीमार माँ के साथ पिता की दुकान पर बैठता था। इसलिए उसने स्कूल छोड़ दिया था।
2. रात भर राशिद को नींद इसलिए नहीं आ रही थी क्योंकि उसका दिल कहता था कि वह पैसा तुम्हारा नहीं हैं इसलिए इसे खर्च करने का तुम्हें कोई हक नहीं है।
3. जब राशिद अखबार बेच रहा था तब एक बच्चे ने वह बटुआ कार से बाहर फेंक दिया राशिद बटुआ लेकर कार के पीछे दौड़ा पर कार आगे निकल गई।
4. क्योंकि वो चाहती थी कि राशिद स्वयं अपनी मेहनत से पैसे कमाए।
5. मुदित अखबार बेचने में उसकी मदद करता तथा उसके बाद राशिद मुदित के घर आकर उसके साथ पढ़ाई भी करता था।
6. वे दोनों मित्र थे और अखबार बेचने का काम करते थे।
7. राशिद की अम्मा को सहकारी बैंक की सदस्या बनने में मदद करके।
8. सही और गलत की कि वह बटुए के पैसों से अपने घर की जरूरते पूरी करे या लौटा दे। अंत में जीत उसकी ईमानदारी की हुई।
9. हमें भी बुरे वक्त में अपने मित्र का साथ देना चाहिए।
10. राशिद की ईमानदारी के कारण ही कार के मालिक ने उसकी अम्मी की मदद की जिससे उनके हालात सुधर गए अत: ईमानदारी का फल मीठा होता है।

ख. आशय सपष्ट कीजिए–

1. राशिद एक ईमानदार बालक था परंतु घर की परिस्थितियों के कारण वह समझ नहीं पा रहा था कि वह उन पैसों का क्या करें।
2. बटुए के मालिक के अत्यन्त महत्वपूर्ण कागजात उस बटुए में थे। बटुए के वापिस मिलने पर उसे राशिद की ईमानदारी पर हैरानी हुई जिससे उसे लगा कि यह सपना है या सच।
3. अर्थात् पिता की मृत्यु के बाद अब अम्मी को सहाकारी बैंक की सदस्या बनने के बाद फिर से उनके कुछ अच्छे दिन लौट आए।

घ. किसने, किससे कहा?

1. अम्मी ने साहब 2. साहब ने अम्मी
3. मुदित ने रशिद 4. अम्मी ने रशिद
5. मुदित ने रशिद

भाषा और व्याकरण

क. निम्नलिखित वाक्यों में से संज्ञा शब्दों को रेखांकित कीजिए और उनके भेद भी लिखिए-

	संज्ञा शब्द	भेद
1.	धीरज	व्यक्तिवाचक
2.	दिल्ली	व्यक्तिवाचक
3.	गुच्छ	समूहवाचक
4.	सोने	द्रव्यवाचक
5.	झुंड	समूहवाचक
6.	मिठास	भाववाचक
7.	बुढ़ापा	भाववाचक
8.	राम	व्यक्तिवाचक

ख. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए-

1. बहुएँ 2. रुपएँ
3. दरियाँ 4. चौराहों
5. लड़ाईयाँ 6. किताबें

ग. निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों में रंगीन शब्दों के उचित विलोम शब्द भरिए -

1. बंजर 2. वरदान
3. शांति 4. अप्रत्यक्ष
5. सुगम

घ. निम्नलिखित शब्दों में अनुस्वार (ं) और अनुनासिक (ँ) लगाइए-

1. संकोच 2. काँपता
3. भेट 4. रुआँसा
5. संयोगवश 6. सिसकियाँ

ङ. केवल पढ़ने के लिए–

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-6 सच्चा सपूत

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1.	(ii)	पाकिस्तान	2.	(i)	टैक्सी
3.	(iii)	राजौरी	4.	(iv)	छब्बीस साल

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. दुश्मन के रॉकेट, गोलियाँ आदि छोड़ने पर।
2. शत्रु के आक्रमण से पहले।
3. विमानों का अधिक से अधिक खड़ी हालात में ही विनाश कर देने का ध्येय से।
4. हमारे नेट का विनाश करते ही दुश्मन के चारों विमान तेजी से दुम दबाकर सीमा की ओर मुड़ गए।
5. दुश्मन के छह जहाजों के बीच एक अकेले नेट विमान ने जिस प्रकार दो विमानों को तबाह किया उसी करतब को देखकर।
6. उनमें सिधाई के रूख ऊपर चढ़ने की क्षमता अधिक थी।
7. सेखों ने जबरदस्त कौशल के साथ अपने नेट का निशाना लगाने की दिशा में गोला दागकर शत्रुओं के दो विमानों को ध्वस्त कर दिया।
8. क्योंकि वे अकेले ही दुश्मन के छह विमानों के बीच लड़ रहे थे।
9. क्योंकि हमला अकस्मात हुआ था।

भाषा और व्याकरण

क. पर्यायवाची शब्द लिखिए-

1.	खग	2.	दुग्ध
3.	दिनकर	4.	बहादुर

ख. निम्नलिखित शब्दों की शुद्ध वर्तनी कीजिए लिखिए-

1.	आशीर्वाद	2.	हवस्त
3.	वायुसेना	4.	वीरगति
5.	रणभूमि	6.	मरणोपरांत

ग. किसी-किसी शब्द के अनेक अर्थ होते हैं, जिन्हें अनेकार्थक शब्द कहा जाता है। निम्नलिखित शब्दों के भिन्न-भिन्न वाक्य बनाकर अर्थ स्पष्ट कीजिए-

	अर्थ	वाक्य
1.	अस्त्र	अर्जुन ने तीर से निशान साधा
	किनारा	कन्हैया यमुना किनारे बाँसुरी बजाते थे।
2.	आकाश	अंबर में असंख्य तारे हैं।
	वस्त्र	उसने पीबंर पहना था।
3.	चाल	कार की गति बहुत तीव्र थी।
	दशा	इंसान के कर्म उसकी गति निश्चित करते है।
4.	समूह	शिकारियों का एक दल जंगल में गया।
5.	पत्ता	तुलसी दल बहुत लाभकारी है।

घ. निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द और उपसर्ग व प्रत्यय अलग-अलग कीजिए-

	उपसर्ग	मूल शब्द	प्रत्यय
1.	प्र	गति	इ
2.	अप	यश	–
3.	–	लड़ा	ई
4.	–	चल	न
5.	–	घबरा	आहट

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-7 माटी की कहानी

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1.	(ii)	सूरज	2.	(i)	भूकंप
3.	(ii)	बाढ़	4.	(i)	मिट्टी

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. मिट्टी को थोपकर, कूट-पीटकर
2. क्योंकि वह पूर्णतया कभी नष्ट नहीं होती एक रूप में टूट जाने के बाद पुनः उसकी कोई और वस्तु बनाई जा सकती है।

3. मिट्टी की उष्णता मिट जाती है तथा वह ठण्डीगत हो जाती है।

4. क्योंकि वह हालात के अनुरूप स्वयं को ढाल लेती है।

5. क्योंकि उसमें संयम है।

6. मिट्टी ताशों के महल की भाँति है जो एक झटके में ही बिखर जाती है।
अर्थात्-अपना अस्तित्व खो बैठती है।

7. अर्थात् मिट्टी की बनी वस्तुएँ टूटकर मिट्टी में मिल जाती है और पुनः वही मिट्टी फिर से नव-निर्माण करती है।

8. इन पंक्तियों का भाव यह है कि मिट्टी सौ बार बनकर बिगड़ती रहती है। जितनी भी बार निर्मित होती है टूट कर फिर से नया रूप धारण कर लेती है।

ग. दिए गए काव्यांश कों पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. सब कुछ सह कर भी मिट्टी वैसी ही रहती है कोई शिकायत नहीं करती पुनः नव निर्माण करती है।

2. तेज आँधी और बरसते हुए मेघ में।

3. क्योंकि यह लम्बे समय तक उपजाऊ होकर मनुष्यों का पालन-पोषण करती है।

4. अनेक सुख, विवदाओं के आने से।

भाषा और व्याकरण

क. केवल पढ़ने के लिए-

ख. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए:

क. आ़ + न् + ध + ई

ख. ध् + अ + र् + अ + त् + ई

ग. ग् + उ + ड़् + इ + य + आ

घ. स् + औ

ङ. न् + इ + श् + छ + अ + ल् + अ

ग. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची लिखिए:

क. रवि, सूर्य ख. आकाश, आसमान

ग. बारिश, बरसात घ. भू, भूमि

ङ. बाल, बालक च. रात, निशा

छ. जल, नीर ज. हवा, वायु

घ. शब्दों के जोड़े अर्थात शब्द युग्मों को पढ़िए, समझिए और लिखिए:

क. खाना और पीना ख. उठना और बैठना

ग. चलना और फिरना घ. आना और जाना

ङ. खेलना और कूदना

ङ. शब्द के जिस रूप से यह पता चले कि वह पुरूष जाति का है अथवा स्त्री जाति का है, उसे व्याकरण में लिंग कहते हैं। निम्नलिखित शब्दों के आगे पुल्लिंग या स्त्रीलिंग लिखिए:

क. पुल्लिंग ख. पुल्लिंग

ग. स्त्रीलिंग घ. स्त्रीलिंग

ङ. स्त्रीलिंग च. स्त्रीलिंग

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-8 स्वामी विवेकानंद

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए-

1. (iii) आध्यात्मिकता की

2. (i) उच्चाकांक्षिणी

3. ()

4. (iii) रामकृष्ण परमहंस ने

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. स्वामी रामकृष्ण परमहंस।

2. कि उनका बेटा वकील बने अच्छे घर में ब्याह हो और दुनिया के सुख भोगे।

3. वे दो-दो, तीन-तीन दिन तक बिना भोजन के रहते ऐसे स्थान पर उन्हें नंगे बदन सोना पड़ा जहाँ सर्दी का अंदाजा थमामीटिर से भी नहीं लगाया जा सकता।

4. स्वामी जी ने अपने विद्वत्तपूर्ण भाषण से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

5. स्वामी जी ने अपने भाषण में स्वाधीनता को वीर पुरुषों का अधिकार कहकर लोगों को ललकारा।

ग. दूरदर्शिता:-

1. उनका जन्म भारत में ही हुआ बचपन में उन्होंने इसी देश

में बालकों की भाँति झूले-झूले, यौवनावस्था में आनंद प्राप्त किया तथा जीवन की अंतिम अवस्था बुढ़ापे में इसी भारत भूमि को बैकुण्ठ के समान कहा

2. स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

क. केवल पढ़ने के लिए-

ख. निम्नलिखित शब्दों में 'इक' प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए–

प्रकृति	+	इक	=	प्राकृतिक
परिवार	+	इक	=	पारिवारिक
सप्ताह	+	इक	=	साप्ताहिक
समाज	+	इक	=	सामाजिक
उद्योग	+	इक	=	औद्योगिक
नीति	+	इक	=	नैतिक
इतिहास	+	इक	=	ऐतिहासिक
मुख	+	इक	=	मौखिक

ग. निम्न शब्दों में शुद्ध शब्द पर (✓) का निशान लगाइए–

1. नमस्कार 2. पूज्यनीय
3. संन्यासी 4. अतिथि

घ. स्वयं करें।

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-9 सच्ची दिवाली

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (ii) 500 रुपये 2. (iii) गुल्लक
3. (iv) गुड़िया 4. (iii) रीटा को
5. (i) दो

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. रजनी की बेटी की दवा क लिए।
2. क्योंकि पटाखे की फैक्ट्री में आग लग जाने से वहाँ काम कर रही उसकी बेटी के हाथ जल गए थे।
3. बेटी के ईलाज के लिए।
4. पटाखे की फैक्ट्री में काम करते समय धमाके में उसके हाथ जल गए।
5. क्योंकि दीवाली का त्यौहार आने वाला था घर में भी बहुत से खर्च थे।
6. यदि बच्चे दीवाली पर पटाखे जलाने की जिद न करे तो पटाखे बनेगे ही नहीं जिससे वहाँ बच्चों को काम भी नहीं करना पड़ेगा।
7. बच्चों ने दीपावली पर पटाखों के लिए जमा किए पैसे इकट्ठे करके रजनी को दे दिए।
8. राहुल एक समझदार, दयालु लडका था। उसने इतनी कम आयु होते हुए भी रजनी की जरूरत को समझाते हुए अपने पैसे उसे दे दिए।
9. रजनी ने मकान बनवाने के लिए जो कर्जा लिया था वह चुकान के लिए रजनी को अपनी बेटी का स्कूल छुड़वाकर उसे पटाखे की फैक्ट्री में काम पर लगाना पड़ा।

ग. आशय सपष्ट कीजिए–

1. क्योंकि पटाखे जैसी विस्फोटक वस्तु पर्यावरण को दूषित करती है साथ ही समाज में बाल-मजदूरी का विरोध न करके हम भी इन बाल-श्रमिकों के दोषी ही बनते जा रहे है।
2. अर्थात्-पटाखों के प्रयोग से केवल वातावरण दूषित होता है तथा ध्वनि प्रदूषण फैलता है।
3. क्योंकि यहाँ नेक काम के लिए पटाखों के स्थान पर केवल रोशनी से ही दीवाली मनाई जा रही थी।

भाषा और व्याकरण

क. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए-

1. चर्च + आ 4. कर्ज + आ
2. प्र: + ताव 5. प्र + दूषण
3. त्य: + आग 6. गर्व + युक्त

ख. निम्नलिखित शब्दों को वाक्य में प्रयोग कीजिए-

1. राजा ने रामू के सामने नौकरी का प्रस्ताव रखा।
2. माँ ने पुत्र की बहुादुरी पर उसे गर्वयुक्त वचन कहे।
3. प्रदूषण समाज के सामने सबसे बड़ी चुनौती है?
4. असहाय लोगों की मदद करनी चाहिए।
5. समूची दुनिया प्रदूषण से परेशान है।

ग. दिए गए शब्दों में से व्यक्तिवाचक, जातिवाचक और भाववाचक संज्ञा को छाँटकर अलग-अलग कीजिए-

व्यक्तिवाचक संज्ञा - दीवाली रजनी

जातिवाचक संज्ञा - मोहल्ला अस्पताल

भाववाचक संज्ञा - खुशी

घ. पर्यायवाची शब्द लिखिए-

1. माता, जननी 2. सखा, मित्र
3. हवा , पवन 4. गृह, सदन
5. बाल, बालक

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

आदर्श प्रश्न पत्र-1

1. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

क. iii. नीड़ ख. iii. छठी

ग. ii. चार घ.

ङ. i. मिट्टी

च. iii. रामकृष्ण परमहंस ने

छ. i. 500 ज. ii. सूरज

झ. ii. छब्बीस साल

ञ. i. कटुक निबौरी

2. उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानो की पूर्ति कीजिए-

(i) थोप-थोपकर (ii) नदियों

(iii) 1863 (iv) जबान

(v) सुरबाला

3. सही कथन के सामने (✓) और गलत कथन के सामने (✗) का निशान लगाइए-

(i) ✗ (ii) ✓ (iii) ✓ (iv) ✗

(v) ✓

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(i) आजादी से अंबर की सैर करने की।

(ii) चतुराई से

(iii) वे आधुनिक थे।

(iv) स्वामी रामकृष्ण परमहंस वे अत्यन्त ओजस्वी व्यक्ति थे।

(v) मकान का कर्जा चुकाने के लिए।

5. किसने - किससे कहाँ?

(i) सेठे से चौधरी से

(ii) राशिद की माँ ने कार के मालिक से

(iii) मुदित ने राशिद से

(iv) मनोज ने राहुल से

(v) राहुल की माँ ने रजनी से

6. स्वयं करें।

पाठ-10 ऋण मुक्ति

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (i) इलाहाबाद के
2. (iii) नेत्र-चिकित्सक बनकर
3. (ii) इसके पत्तों का विषैला दूध आँखों के लिए हानिकारक होता है।
4. (ii) जब पिल्ले मर गए।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. क्योंकि अभी तीसरा पिल्ला जीवित था। बबलू ने सोचा अभी सबको पता चल तो शायद वह बच जाए।
2. क्योंकि उन्होंने बचपन में आक के पत्ते के विष से पिल्लों की आँखे फोड़ दी थी।
3. नेत्र-चिकित्सक बनकर।
4. जब उसने अपने प्रायश्चित की बात बताई।
5. बचपन की गई शैतानियाँ किसी के लिए हानिकरक भी हो सकती है।

ग. केवल पढ़ने के लिए-

घ. ये कथन किसने कहे और क्यों कहे?

1. दादी ने डॉक्टर प्रभात से।
2. बबलू ने दादी से।
3. डॉक्टर प्रभात से दादी से।
4. बबलू ने मंटू से।

भाषा और व्याकरण

क. बहुविकल्पीय प्रश्न –

1. 4. सदस्य 2. 2. शाप से मुक्ति

3. 1. लड़कपन 4. 3. भोला

ख. 'बचपन' शब्द में 'पन' प्रत्यय लगाकर भाववाचक संज्ञा बनाई गई है। इसी प्रकार नीचे लिखे शब्दों में 'पन' प्रत्यय लगाकर भाववाचक संज्ञाएँ और उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

लड़कपन, अपनापन, अनाडीपन, सीधापन

ग. केवल पढ़ने के लिए–

घ. केवल पढ़ने के लिए–

ङ. केवल पढ़ने के लिए–

च. कुकृत्य, सद्‌गुण शब्दों को ध्यान से देखने पर पता चलता है कि इन शब्दों का निर्माण सार्थक शब्दों से पहले शब्दांश लगने से हुआ हैं; जैसे- कु + कृत्य; – कुकृत्य, सद् + गुण – सद्‌गुण।

कु	+	कर्म	=	कुकर्म सुकर्म
सद्	+	व्यवहार	=	सद्व्यवहार दुर्व्यवहार
कु	+	संगति	=	कुसंगति ससंगति
सन्	+	मार्ग	=	समार्ग कुमार्ग

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-11 रहीम के दोहे

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (iv) आधुनिक काल

2. ()

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. बुरे वक्त में काम आने के लिए।

2. क्योंकि प्रेम रूपी धागा एक बार टूट जाए तो उसमें सदा के लिए गाँठ पड़ जाती है।

3. उस पर विषैले साँप लिपटे रहने पर भी वह उसमें व्याप्र नहीं होने देता।

4. क्योंकि विपदा के समय ही अपने पराये की पहचान होती है।

ग. निम्नलिखित पंक्तियों को पूरा करो-

1. रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजिए डारि। ।
जहाँ काम आवै सुई, कहा करै तलवारि।।

2. रहिमन तब लगि ठहरिए, दान मान सम्मान ।
घटत मान देखहिं जबहु, तुरतहि करिय पयान।।

भाषा और व्याकरण

क. निम्नलिखित प्रत्ययों से बने दो-दो शब्द लिखिए–

खाना	=	पागलखाना	दवाखाना
पन	=	अपनापन	बड़प्पन
आत्मक	=	सकारात्मक	नकारात्मक
गर	=	जादूगर	सौदागर
आवा	=	दिखावा	पहनावा
ईय	=	दयनीय	प्रसंनीय
बंद	=	नजरबंद	कमरबंद

ख. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए–

आकाश	=	नभ, आसमान, गगन
कपड़ा	=	पट, वसन, वस्त्र
सूरज	=	रवि, सूर्य, दिनकर
पानी	=	जल, नीर, तोय
हवा	=	पवन, वायु, समीर

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-12 नट-खट बेटियाँ

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (i) बच्चियाँ 2. (iii) बेतवा

3. () 4. (ii) पिता-बेटा

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. संभ्रात महिला की भाँति गम्भीर, शाँत नटखट आदि रूपों का।
2. चंचल नदियों, हिमालय तथा सागर की।
3. ये दोनों नदियाँ अनेक छोटी-छोटी नदियों का विस्तुत रूप है।
4. क्योंकि ये एक माँ की भाँति संसार का भरण-पोषण करती है।
5. जैसे वह अपनी माँ, दादी, मम्मी और मौसी की गोद में हो।
6. लेखक ने इस पाठ में नारी के गम्भीर, शान्त, चंचल रूपों का वर्णन किया है।

भाषा और व्याकरण

क. केवल पढ़ने के लिए–

ख. केवन पढ़ने के लिए–

ग. नीचे दिए गए विशेषण और विशेष्य का मिलान कीजिए–

1. (iii) महिला   2. (iv) जंगल
3. (i) नदियाँ   4. (ii) मैदान

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-13 एक बाप का बदला

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. अपने बेटे के ईलाज के लिए।
2. क्योंकि वे उस समय गोलफ खेलने जा रहे थे।
3. साँप को दिखाने की परन्तु कैलाश ने मना कर दिया क्योंकि वे साँप बहुत जहरीले थे।
4. क्योंकि वह साँप का जहर उतारना जानता था साथ ही बेटे को खो देने का दुख भी उसे मालूम था वह नहीं चाहता था कि डॉक्टर चड्ग का बेटा भी उसके बेटे की भाँति बिना ईलाज चल बसे।
5. 'परोपकार'

ख. स्वयं करें।

घ. किसने, किससे कहा?

1. भगत ने डा॰ चड्ढ़ा से
2. डा॰ चड्ढ़ा ने स्वयं से
3. भगत ने शहर से आए आदमी से
4. भगत ने डा॰ चड्ढ़ा से
5. भगत ने डा॰ चड्ढ़ा से

भाषा और व्याकरण

क. नीचे दिए गए विकल्पों में कौन-सा शब्द पर्यायवाची नहीं है–

1. सुनसान   2. वैदेही   3. सलिल

ख. स्वयं करें।

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-14 ओवर टाईम

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (ii) सौ रुपये   2. (i) रेशमी साड़ी
3. (ii) रेल का इंजन   4. (iii) मिठाई

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. सड़कों पर यहाँ-वहाँ
2. ताकि वह पैसे बचाकर अपने बच्चों के लिए कुछ खरीद सके।
3. क्योंकि उसे लगा कि फिल्म न जाने कैसी हो फिर वह पैसे बर्बाद क्यूँ करे।
4. पत्नी के साड़ी बच्चों के लिए खिलौने तथा मिठाई खरीदने की तथा सिनेमा देखने की।
5. पड़ोस वाले राम बाबू को परिवार के साथ।
6. उसे लगा कि कैशियर ने उसे व रुपये गलती से अधिक दे दिए।
7. मोहनदास ने सोचा वह परिवार के साथ बाहर खाना खाने जाएगा और फिल्म भी देखेगा परन्तु वह इनमें से कुछ भी नहीं कर पाएगा।

8. वह एक ईमानदार, मेहनती तथा अपने परिवार को प्यार करने वाला व्यक्ति था।
9. क्योंकि उसने बच्चों और पत्नी को प्यार से गहरी नीदं में सोते देखा।
10. नो रुपये की अतिरिक्त आमदनी से परिवार के लिए कुछ खरीदने के लिए।

ग. आशय सपष्ट कीजिए–

1. इन पंक्तियों का आशय है कि अतिरिक्त आमदनी के लिए उसे अपने परिवार से अधिक समय दूर रहना पड़ता है।
2. अर्थात्–इस महीने जो अधिक वेतन मिला है वह हर बार तो नहीं मिलेगा।
3. मोहनदास काम में इतना व्यस्त था कि उसके जीवन में कोई आनंद या बदलाव ही नहीं था।

घ. किसने, किससे कहा–

1. कैशियर ने मोहनदास
2. पत्नी ने मोहनदास
3. मोहनदास ने पत्नी से
4. मोहनदास ने पत्नी से

भाषा और व्याकरण

क. निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए -

1. मासिक	2. असंभव
3. प्रशंसनीय	4. निसंदेह
5. अपरिचित	6. अनसुना

ख. निम्नलिखित वाक्यों में सर्वनाम को रेखांकित कीजिए तथा उसका भेद भी बताइए -

	सर्वनाम	भेद
1.	मैं	पुरूषवाचक
2.	कोई	अनिश्चयवाचक
3.	तुम, मैं	पुरूषवाचक
4.	यह	अनिश्चवाचक
5.	जो	सबंधवाचक
6.	यह	अनिश्चयवाचक

ग. देखो, समझो और लिखो :

2. तैसे	3. जाता
4. मग	5. पाए
6. तब	

घ. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न लगाइए -

1. वह प्यार से बोला ''कुछ मिठाई तुम भी खा लो।''
2. उसकी भी लालसा थी, कि उसके बच्चे अच्छा खाए-पियें पहने-ओढ़ें।
3. तुमने सिनेमा का टिकट क्यों नही खरीदा?
4. वह बाज़ार से मिठाई, फल, शरबत खरीद कर लाया।

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-15 अशोक स्तम्भ

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. क. 1. अशोक
   ख. 3. अशोक स्तम्भ
2. ग. 1. अशोक स्तम्भ
   घ. 4. सारनाथ

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. गौतम–बुद्ध को ज्ञान–प्राप्ति की घटना।
2. उसने सारनाथ में कई स्मारक बनवाए।
3. इस शीर्ष भाग की ऊँचाई छह फुट से अधिक है। सिहों के बीच में एक चक्र है, जो धर्म–चक्र है जिसकी संख्या 24–24 है। सिंहो की मूँछे, नेत्र, अयाल और खुले हुए मुख अस्वभाविक होते हुए भी बड़े प्रभावशाली है। यहाँ तक कि सिंहो के पैरों के पंजे भी बने हुए है।
4. किसी विद्वान ने इसे उलटा कमल का फूल कहा है तो किसी ने फारस की घटा। इतिहासकारों ने सारनाथ की इस सिंह प्रतिमा की भूरि–भूरि प्रंशसा की है। वे इसे कला का उत्तम नमूना मानते है। इस स्तम्भ के सिंह जगलों में रहने वाले साधारण सिंह नहीं है।
5. सारनाि की प्रसिद्धि का कारण यहाँ मिली वो मूर्तियाँ भी है। पहली कनिष्ठ के काल की एक विशाल बोधिस्तव प्रतिमा है और दूसरी गुप्तकाल की एक सुन्दर धर्म–चक्र प्रवर्तन मुद्रा में भगवान बुद्ध की मूर्ति है। बुद्ध–मूर्ति केवल

अपने सौंदर्य से हमें आकर्षित करती है अपितु अपनी बाहरी और भीतरी सुन्दरता से हमारे मन में उल्लास भी जगाती है।

भाषा और व्याकरण

क. तत्पुरुष–जिस समस्तपद का दूसरा पद प्रधान होता है।

क. 1. ज्ञान की प्रप्ति

ख. 1. धर्म का चक्र

ग. 1. वन को गमन

घ. 2. गुण से हीन

ङ. 1. पवन का पुत्र

च. 2. देश से प्रेम

ख. उचित स्थान पर विराम-चिह्न लगाइए-

1. ''धर्मचक्र प्रवर्तन क्या होता है'' गुरु, जी पंकज ने उठकर पूछा।
2. अरे! मैंने तो यह सोचा भी न था।
3. उस चक्र के बीच में अश्व, मृग, साँड़ और हाथी की मूर्तियाँ खुदी हैं।
4. अशोक के स्तंभ साँची, दिल्ली, कौशांबी, लुंबनी, वैशाली आदि स्थानों पर लगे हुए हैं।
5. क्या तुमने वाराणसी के बारे में नहीं सुना? मैंने आश्चर्य से सिमरन से पूछा।

ग. द्विकर्मक एवं प्रेरणार्थक क्रियाएँ छाँटकर रिक्त स्थान में उनका नाम लिखिए–

1. प्रेरणार्थक 2. दिकर्मक

3. दिकर्मक 4. प्रेरणार्थक

5. प्रेरणार्थक 6. दिकर्मक

घ. नीच लिखे शब्दों के पर्याय के रूप में चार-चार विकल्प दिए गए हैं, उनमें से तीन सही हैं और एक गलत। गलत पर्याय शब्द का चुनाव कर सही का निशान लगाइए–

1. iv. कमल 2. iv. हरित

3. i. ग्रह 4. iv. मृगराज

5. iii. सरपट

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ–16 मेरी प्रिय गाय गौरा

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. iii. गौरैया
2. iii. बारह सेर
3. i. छोटी बहन, श्यामा
4. i. सूई
5. iii. हिन–हिन

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. क्योंकि उसके शरीर में एक सूई चली गई थी।
2. गाय पालने की।
3. लेखिका के घर में सबमें गौरा का स्वागत श्रध्यापूर्वक लाल–सफेद गुलाबों की माला पहनाकर रौली–केसर का तिलक लगाकर तथा वी के चौमुखा दीए से आरती उतारकर और दही–पेड़ा खिलाकर किया गया।
4. दाना–चारे के साथ।
5. ग्वाला, जो लेखिका के घर दूध देने आता था उस दूध को लाल मणि के बाद कुत्ते, बिल्ली आदि पीते थे।
6. क्योंकि अब गौरा बहुत शिथिल हो चुकी थी।
7. गौरा के पुष्ट–लचीले पैर भरे पुट्ठे, चिकनी भरी हुई पीठ, लम्बी सुडौल गरदन निकलते हुए छोटे–छोटे सींग कमल की दो अधखुली पखुडियाँ जैसे–कान लम्बी और अन्तिम घोर पर काले सघन चामर का स्मरण दिलाने वली पूँछ थी।
8. क्योंकि वह अपने लाल–रंग के कारण गेरू का पुतला–सा जान पड़ता था।
9. शरीर में सुई चले जाने से गौरा दिन प्रतिदिन शिथिल होती गई। आरम्भ में वह सेब का रस पी लेती थी परन्तु धीरे–धीरे वह भी कंठ में रूकने लगा था और एक दिन वह अचानक ही पत्थर की तरह भारी और निर्जीव होकर धरती पर गिर पड़ी।
10. सब खाना–पीना बंद हो जाने से।

भाषा और व्याकरण

क. नीचे दिए गए तत्सम व तद्भव शब्दों को छाँटकर आमने-सामने लिखिए -

तत्सम	तद्भव	तत्सम	तद्भव
मक्षिका	मक्खी	उष्ट्र	ऊँट
भगिनी	बुहन	शिर	सिर
पाद	पाँव	ओवठ	ओंठ
कुपुत्र	कपूत	स्तभ	खंभा

ख. निम्नलिखित समस्त पदों के उचित विग्रह में (✓) का निशान लगाइए।

1. विद्या के लिए आलय
2. जल की धारा
3. हस्त से लिखित
4. गृह में प्रवेश
5. तुलसी द्वारा कृत

ग. नीचे दिए गए शब्दों के दो-दो अनेकार्थक शब्द लिखिए और वाक्य बनाकर अर्थ स्पष्ट कीजिए-

1.	आकाश	अंबर में असंख्या तारे हैं।
	वस्त्र	भगवान कृष्णा पीतांबर पहनते है।
2.	बर्तन	पात्र में जल भरा है।
	भाग	कहानी में कुल 5 पात्र थे।
3.	कुल	कौरव-पाण्डव एक ही वंश के थे।
	गन्ना	वंश से चीनी बनाई जाती है।
4.	कमल	सरोवर में जलज के फूल सिले थे।
	मोती	समुद की गहाराई में जलाज मिलते है।
5.	फल	मुझे आम बहुत पसंद है।
	साधारण	आम आदमी अपना जीवन बड़े कष्टों से व्यतीत करता है।

घ. निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द व उपसर्ग या प्रत्यय अलग कीजिए-

	उपसर्ग	मूल शब्द	प्रत्यय
1.			–
2.	–	स्वभाव	इक
3.		मानव	–
4.	निर्	जीव	–
5.	प्रति	एक	–

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-17 सफलता की कुंजी

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. ii. एक दार्शनिक
2. iv. जो कर्म नहीं करता।
3. i. 'धनवान कैसे बनें' यह जानने के लिए।
4. iii. कर्म और सूझ-बूझ

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. उसने अरस्तू की बात मानकर फुटपाथ पर फल बेचने शुरू किए और कम पैसों में गुजारा किया और बचत की। जिससे वह कम समय में एक बड़ा व्यापारी बन गया।
2. क्योंकि सेठ के दिए मरे हुए चूहे से ही वह धनवान बन गया था।
3. कठोर श्रम, दृढ़ संकल्प और सूझ-बूझ।
4. लेखक के अनुसार छोटे-छोटे काम लगातार करके हम अपनी मंजिल प सकते है।
5. क्योंकि जीवन में हुए वस्तु का कोई ना कोई मूल्य अवश्य होता है। इसलिए कुछ पाना है तो कुछ खोना भी पड़ता है।
6. लेखक ने ऐसा इसलिए कहा है क्योंकि मुनष्य का धनवान होना उसके भाग्य पर नहीं बल्कि उसके कर्म और सूझ-बूझ पर करता है।

भाषा और व्याकरण

क. बहुविकल्पी प्रश्न–

1. 4. शिक्षक
2. 2. थोड़ी-थोड़ी बचत से अधिक जमा करना।
3. 1. सरोज
4. 1. लक्ष्य

ख. केवल पढ़ने के लिए-

ग. नीचे लिखे शब्दों के गण, लोग, दल या जन लगाकर बहुवचन बनाएँ–

लेखक	लेखक गण
मित्र	मित्रगण
विद्वान	विद्वान गण

यूनानी	यूनानी लोग
दोस्त	दोस्त गण
गुरु	शुरूजन
गरीब	गरीब लोग
हाथी	हाथी दल

घ. केवल पढ़ने के लिए–

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

आदर्श प्रश्न पत्र–2

1. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) iii. इलाहाबाद के (ख) i. बच्चियाँ

(ग) ii. सौ रूपये (घ) iii. अशोक

(ङ) ii. लालमणि (च) iii. एक दार्शनिक

(छ) ii. रँभा–रँभा (ज) iii. बुद्ध मूर्ति

2. उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानो की पूर्ति कीजिए-

(i) सिद्धार्थ (ii) उज्जवलता

(iii) गोल्फ (iv) असर

(v) नेत्र–चिकित्सक

3. सही कथन के सामने (✓) और गलत कथन के सामने (✗) का निशान लगाइए-

(i) ✓ (ii) ✓ (iii) ✗ (iv) ✗

(v) ✓

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. क्योंकि बचपन में डॉक्टर प्रभात ने पिल्लों की आँख के आक का विष डाल दिया था।
2. क्योंकि प्रेम–रूपी धागा टूट जाने के बाद फिर से नहीं जुड़ पाता और यदि जुड़ भी जाए तो उसमें गाँड पड़ जाती है।
3. इन दोनों नदियों में अनेक छोटी–छोटी नदियाँ समाहित हो जाती है।
4. क्योंकी 19 में 9 रुपये उसके मासिक वेतन से अधिक थे।
5. इस शीर्ष भाग की ऊँचाई छह फुट से अधिक है। सिंहो के बीच में एक चक्र है जो धर्म चक्र है जिसकी संख्या 24-24 है। सिंहो की मूँछे नेत्र अयाल और खुले हुए मुख अस्वाभाविक होते हुए भी बड़े प्रभावशाली है। यहाँ तक की सिंहो के पैरों के पंजे भी बने हुए है।

5. निम्नलिखित व्याकरण सम्बन्धी प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. जो शब्द अर्थ की दृष्टि से एक दूसरे के विपरीत अर्थ बताए उन्हें विलोम शब्द कहते है।
2. मुहावरे – अपने शाब्दिक अर्थ को छोड़कर किसी विशेष अर्थ में रूढ हो जाते है।

   लोकोत्तियाँ – लोक अनुभव पर आधारित कथनों को कहते है।
3. संज्ञा सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते है।

   गुणवाचक – संख्यावाचक, परिणामवाचक, सार्वनामिक
4. चलना, उठना, खाना, पीना, नाचना
5. (1) बारिश हो रही थी।

   (2) कल वह बाजार गया था।

6. स्वयं करें।

पंखुड़ी-8

पाठ-1 प्रार्थना प्रभु से

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (iii) भगवान से।
2. (iii) विपदाओं से विचलित न होने की शक्ति चाहती है–
3. (i) चाहे सारी दुनिया मजाक उड़ाए फिर भी मैं चिंतित न होऊँ।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. अंशात मन को शांति प्रदान करो, सबल बनाओ, दुनिया को उपहास से भी शंकित न ही पाऊँ।
2. समस्त भुवन में व्याप्त हो फिर भी मैं तुमको पहचान न पाई।
3. प्रभु के चरण-धूलि का तिलक लगाकर वह कभी विलग न हो।
4. कि वह भगवान में लीन हो जाए।
5. सर्वव्यापी ईश्वर।

ग. रिक्त-स्थान भरिए–

अहंकार में डूबी हूँ मैं
मेरा अंतर तुम चमकाओ।
विपदाओं से विचलित न होऊँ
इतना मुझको सबल बनाओ।
कहाँ है मंदिर मेरे घर मैं
किस परदे में तुम्हें बिठाऊँ।
उपहास करे सारी दुनिया
फिर भी शंकित न हो पाऊँ।

घ. निम्नलिखित पंक्तियों का सरलार्थ कीजिए–

1. कवयित्री ईश्वर से प्रार्थना कर रही है कि हे प्रभु मेरे अशांत मन को शांत करो और मुझे बढ़ती लालसाओं से बचाओं। मरे विचलित मन में अपने प्रेम की जीत जगाकर मुझे मिलन के योग्य बनाओ।
2. संपूर्ण संसार में तुम विद्यमान हो परंतु मैं तुमको पहचान नहीं पाई तुम नये रूप में आकर मेरे नयनों में, मरे हृदय में बस जाओ।

भाषा और व्याकरण

क. संधि-विच्छेद कीजिए–

पुस्तकालय	=	पुस्तक + आलय
परोपकार	=	पर + उपकार
महोत्सव	=	महा + उत्स्व
दिनेश	=	दिन + एश
इत्यादि	=	इत् + यदि
देवर्षि	=	देव + ऋषि

ख. निम्नलिखित शब्दों के लिंग लिखिए–

आदरणीय	=	पुल्लिंग
डिब्बा	=	पुल्लिंग
नौकर	=	पुल्लिंग
नेता	=	पुल्लिंग
लड़का	=	पुल्लिंग
विधुर	=	पुल्लिंग

ग. केवल पढ़ने के लिए–

घ. केवल पढ़ने के लिए–

ङ. केवल पढ़ने के लिए–

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-2 वृक्षों में जीवन

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (iii) बीज 2. (ii) पारस पत्थर

3. (i) जड़ 4. (iv) टेलीस्कोप

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. जब हम श्वास-प्रश्वास ग्रहण करते हैं तब प्रश्वास के साथ एक प्रकार की विषाक्त वायु बाहर निकलती है उसे 'अंगारक' वायु कहते हैं। इसके पृथ्वी पर इकट्ठी होने से सभी जीव-जन्तु नष्ट हो सकते हैं।
2. पेड़-पौधे सूर्य की उपस्थिति में प्रकाश-संश्लेषण की प्रक्रिया द्वारा अपना भोजन ग्रहण करते है।
3. क्योंकि सूर्य के प्रकाश के अभाव में पेड़-पौधे और जीव-जन्तुओं का जीवन असंभव है। अत: प्रकाश ही जीवन का मूल-मंत्र है।
4. पेड़-पौधे अपनी संतान अर्थात् बीजों का पालन-पोषण अपने शरीर के रस से करते हैं जिसके कारण वे धीरे-धीरे सूख जाते हैं तथा अपना जीवन व्याग देते है।
5. अपने अंतिम समय में पेड़-पौधे पूर्णतया सूख चुके होते है और हवा के तेज आघात को सहन नहीं कर पाते जिससे हवा का मात्र एक थपेडा आते ही वह कॉपने लगते है। एक-एक करके सभी डालियाँ टूट पड़ती हैं और वह जमीन पर गिर पड़ता है।

ग. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दिए गए स्थानों में ही लिखिए–

1. बेल-लताएँ प्रकाश से ही अपना भोजन ग्रहण करती हैं। अत: उनके लिए प्रकाश आवश्यक है।
2. छाया से अभिप्राय ऐसा स्थान है जहाँ सूर्य का प्रकाश न मिल सके।
3. प्रकाश के महत्व को

घ. पेड़-पौधे वातावरण से कार्बन-डाइ आूक्साइड ग्रहण करके ऑक्सीजन छोड़ते है। इस प्रकार वे वायु को शुद्ध करते है।

ङ. क्योंकि प्रकाश की उपस्थिति से उन्हें भोजन प्राप्त होता है।

भाषा और व्याकरण

क. अचानक – अचानक वर्षा होने लगी।

सचमुच – बीज सचमुच एक सुन्दर पौधा बन जाता है।

बेकार – परीक्षा में मेहनत न करके उसने कीमती समय बेकार ही व्यर्थ कर दिया।

दफ्तर – राम के पिताजी शाम को दफ्तर से आते हुए खिलौने लाए।

गंभीरता – हमें अपने वातावरण के विषय में गंभीरता से विचार करना चाहिए।

ग. नीचे दिए गए शब्द-समूह में से -एकार्थी' तथा 'अनेकार्थी'

शब्दों को अलग-अलग छाँटकर लिखिए–

एकार्थी – दरवाजा, खिड़की, मेज, कुसी, दवात

अनेकार्थी – अंक, पत्र, मान, सोना, दल, कुल, नाना, पद, वर्ण वर

घ. नीचे लिखे गए शब्दों में से भाववाचक संज्ञा शब्दों को अलग छाँटकर लिखिए–

अच्छाई, कोमलता, थकावट, बुराई, गुलाबीपन, सहजता, कठोरता, समानता

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-3 सचिन: एक महान क्रिकेटर

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. सचिन अभयहस्त है क्योंकि ये गेंदबाजी और बल्लेबाजी तो दाएँ हाथ से करते हैं, किन्तु लिखते बाएँ हाथ से है इनकी बल्लेबाजी इनके बेहतरीन सन्तुलन व नियंत्रण पर आधारित है।
2. सचिन एक अद्‌वितीय खिलाडी हैं इन्होंने काबंली के साथ ऐतिहासिक 664 रनों की साझेदारी की जिससे विरोधी पक्ष का एक गेंदबाज तो रो ही दिया तथा विरोधी पक्ष ने आगे मैच खेलने से इंकार कर दिया।
3. सचिन एक नियमित गेंदबाज नहीं हैं परन्तु ये मध्यम तेज, लैग स्पिन एवं ऑफ स्पिन गेंदबाजी में प्रखर है इसलिए कई बार काफी देर से टिकी हुई बल्लेबाजों की जोड़ी को तोड़ने के लिए इन्हें बुलाया जाता है।
4. सचिन एक अच्छे बल्लेबाज होने के साथ-साथ अच्छे गेंदबाज भी है। ये भारत की धीमी पिचों के बजाय वेस्टइंडीज और आस्ट्रेलिया की तेज पिच पर खेलना ज्यादा पसंद करते हैं।

5. सचिन तेंदुलकर ने अनके कीतिमान स्थापित किए है, जिसके कारण इन्हें रिकार्डो का बादशाह कहा जाता है। एक दिवसीय मैच में अंतराष्ट्रीय मुकाबले में सबसे अधिक रन बनाने वाले ये पहले खिलाड़ी हैं सबस ज्यादा 5 शतक भी इन्होंने ने ही बनाए।
6. सचिन ने अपने कैरियर में सर्वाधिक कीर्तिमान स्थापित किया हैं जैसे-एक दिवसीय अंतराष्ट्रीय मुकाबले में सर्वाधिक रन सबसे अधिक शतक अपने 463वें मैच में 2 रन बनाकर ऐतिहासिक पारी खेलना आदि।

भाषा और व्याकरण

क. सही विकल्प चुनकर रिक्त-स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. ता 2. बे 3. नीय 4. इक

ख. निम्नलिखित पर्यायवाची शब्दों में जो शब्द पर्यायवाची नहीं हैं, उस पर ग़लत का चिह्न लगाइए–

1. रथ 2. काल 3. पितामह
4. शशि 5. आवास 6. बिटप

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-4 वीर बालक

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (ii) वह बालक भरत था
2. (iii) भरत के नाम पर
3. (iii) कश्यप के आश्रप में
4. (i) शकुंतला
5. (iii) दुष्यन्त

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. खेल रहा था।
2. बालक कहता है कि यदि वह खेल में बाधा डालेगी तो मार खाएगी और वह उसे बच्चे को भी नहीं देगा।
3. वह वीर बालक शकुंतला और दुष्यन्त का पुत्र भरत था।
4. भरत ने अपनी भुजाओं के बल पर।
5. दुष्यंत।

ग. कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए–

देख वीर बालक के इस औहित्य को
लगी गरजने भरी सिंहनी क्रोध से
छड़ी तानकर बोला बालक रोष से–
बाधा देगी क्रीड़ा में यदि तू कभी
मार खाएगी और तुझे दूँगा नहीं
इस बच्चे को; चली जा, तू भाग जा

घ. रिक्त स्थान भरिए–

1. क्रोध 2. कश्यप 3. माता
4. दुष्यंत 5. क्रीड़ा

ङ. निम्न पंक्तियों का भावार्थ लिखिए–

भावार्थ :-
इन पंक्तियों का भाव यह है कि भरत दुष्यंत का पुत्र था जिसने अपनी बलशाली भुजाओं के बल पर भारत का साम्राज्य स्थापित किया उन्हीं के नाम पर हमारे देश का शुभ नाम भारत पड़ा।

भाषा और व्याकरण

क. कुटिल = (बुरे) कुटिल लोगों से सदा बचकर रहना चाहिए।
क्रीडा = (खेल) भरत शेर के बच्चे के साथ क्रीड़ा कर रहा था।
गुरुकुल = (शिक्षा ग्रहण करने का स्थान) भरत ने कश्यप ऋषि के गुरुकुल में शिक्षा प्राप्त की।
आश्रम = (विशेष प्रकार के लोगों के रहने का स्थान) भरत का लालन-पालन आश्रम में हुआ।
सहचर = (मित्र) जंगल के सभी पशु-पक्षी भरत के सहचर थे।
भुजदंड़ = (भुजाओं का बल) भरत ने अपने भुजदंड़ के बल पर भारत का प्रथम साम्राज्य स्थापित किया

ख. नीचे लिखे तीन-तीन वाक्यों में कौन-सा ठीक है? सही (✓) का निशान लगाइए–

1. 1. इस कविता को पढ़कर वीरता का संचार होता है।
2. 1. इस कविता की भाषा सरल है।

ग. केवल पढ़ने के लिए–

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-5 नारायण बापू

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (ii) यही कि मैं कोई प्रभावशाली व्यक्ति नहीं हूँ
2. (i) यूनियन का पक्ष रखने की बात
3. (iii) मधुमिता, पति सनातन को
4. (iii) जब भत्ता मंजूर हुआ

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. सनातन के बुखार के कारण वह उसे देखने आए परन्तु उसे गोद में लेकर जल्दी लौट जाने के निर्देश को भूल गए और पुलिस ने घर को चारों और से घेर लिया जिसके कारण नारायण दास पकड़े गए।
2. क्योंकि वे स्वतंत्रता सेनानी थे। देश की आजादी के लिए लड़ रहे थे इसलिए वे पुलिस से बचकर रात के समय घंटे-दो घंटे के लिए ही घर आ पाते थे।
3. कि नारायण बाबू स्वतंत्रता संग्राम में किए अपने योगदान के बदले सरकार से उनके लिए सिफारिश करे।
4. नारायण बाबू के लिए सरकार द्वारा 5 रुपये मासिक भत्ता मंजूर किए जाने के कारण सनातन और मधुमिता के स्वभाव में परिवर्तन आया इससे पता चलता है कि वे दोनों लालची स्वभाव के थे।
5. आजादी के बाद लोगों का उद्देश्य केवल स्वयं की उन्नति ही रह गया उन्हें लगता था अपनी उन्नति में ही देश की उन्नति है जिसके कारण लोगों ने किसी भी प्रकार सही अथवा गलत देश से पैसा कमाना शुरू कर दिया।

ग. तवे-सी तपती इसकी देह छोड़कर कैसे जाओगे?

1. सौदामिनी, नारायण बाबू से
2. सनातन की
3. नारायण बाबू को अन्यत्र कहीं जाना था क्योंकि वे एक स्वतंत्रता सेनानी थे।

घ. नारायण दास उससे अलग ही रहे।

1. सत्ता हथियाने के लिए चुनाव में उतरे स्वतंत्रता सेनानियों से
2. पौधे उगाना, सूत कातना, किताबें पढ़ना

भाषा और व्याकरण

क. शब्द-परिवार–एक ही शब्द में आगे-पीछे शब्दांश जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन ला देते हैं।

1.	अर्थ –	अनर्थ	परमार्थ	स्वार्थ
2.	निरादर –	निरादर	सादर	आदरपूर्वक
3.	कर्म –	दुष्कर्म	सुकर्म	कुकर्म
4.	ज्ञान –	अज्ञान	विज्ञान	संज्ञान
5.	तंत्र –	स्वतंत्र	परतंत्र	गणतंत्र

ख. केवल पढ़ने के लिए–

ग. कोष्ठक में दिए निर्देशानुसार उत्तर दीजिए–

1. सज्जन लोग मान जाते हैं।
2. आप सपरिवार हमारे घर आइए।
3. दूध स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।
4. राम सीता को देखकर प्रसन्न हुए।
5. यदि वेतन मिलेगा मैं रूपए लौटा दूगाँ।

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-6 टाईम मशीन

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (iii) संज्ञा की सर्वनाम की
2. (ii) विशेष्य
3. (ii) चार
4. (iv) भीतरी

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. कालयात्री ने 22 सदियाँ को पार किया उसने कालयंत्र पर बैठकर जैसे ही हैंडल को खीचा वह भविष्य की यात्रा पर पहुँच गया जहाँ घड़ी की सुईयाँ बड़ी तेजी से घूम रही थी।
2. लेखक का वर्णन करने का ढंग प्रभावशाली होने के कारण।
3. धरती के नीचे रहने वाले लोग। वे अंधकार में रहते थे और प्रकाश से डरते थे।

4. मारलॉक बेहद सुंदर थे उनकी भाषा लेखक को समझ नहीं आ रही थी परन्तु बच्चों की तरह मीठी थी।
5. माचिस की तीली से प्रकाश करके।
6. बाइसवीं सदी में।
7. मिस्त्र के पिरामिड़ों के पास बने स्फिंक्स जैसी मूर्ति जिसके दोनों और पंख थे।
8. मारलॉक लोगों ने।

ग. "मेरी आशंका सच निकली"

1. कालयात्री का।
2. कि कालयंत्र मारलॉक लोगों ने।

भाषा और व्याकरण

क. केवल पढ़ने के लिए–

ख. दिए गए विकल्प में से सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. i. परोपकारी
2. ii. खंडित
3. iv. साप्ताहिक

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-7 वृद्ध अवस्था

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (iii) बुद्धिराम की छोटी लड़की लाड़ली थी।
2. (ii) कोई उसे खाने के लिए बुलाने आएगा
3. (i) जिस प्रकार मेंढ़क केंचुए पर झपटता है

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. जिह्वा-स्वाद की इच्छा ही बुढ़ापे में शेष रह गई थी जिसके पूरी ने होने पर वह रोती-चिल्लाती प्रतिक्रिया करती थी।
2. क्योंकि काकी की संपत्ति के कारण ही वह भला-मानुष बना बैठा था। परन्तु अपनी कंजूसी के कारण अत्याचार कर बैठता था।
3. बूढ़ी काकाी कल्पना कर रही थी कि चूडियाँ खूब लाल-लाल, फूली-फूली, नरम-नरम होंगी।
4. रूपा काकी पर इस प्रकार झपटी जिस प्रकार मेंढक केंचुए पर झपटता है और झटककर बोली-ऐसे पेट में आग लगे, पेट है या भाड़?
5. रूपा से अपमानित होने की बाद काकी ने सिर उठाया, न रोई, न बोली, चुपचाप रेंगती हुई अपनी कोठरी में चली गई।
6. लाड़ली ने काकी की दशा देखकर लाडली ने मन ही मन सोचा कि ये लोग काकी को बहुत-सी पूडियाँ क्यों नहीं दे देते? यदि काकी ने पहले खा लिया तो क्या बिगड जाएगा।
7. काकी को इस प्रकार झूठी पत्तलें चाटते देखकर रूपा को अपनी स्वार्थपरता, और निर्दयता पर बहुत दुख हुआ।
8. बूढ़ी काकी सामने थाल आते ही भोले-भाले बच्चों की भाँति सब तिरस्कार भूल गई।

ग. रिक्त स्थान भरिए-

1. सब्ज बाग	2. बुद्धिराम
3. सब्जी	4. बूढ़ी काकी
5. आँखों	6. मन
7. जीछा	

घ. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए–

1. इन पंक्तियों का भाव है कि जिस प्रकार घर बैठे फूलों की सुंगध उतनी मोहक नहीं लगती जितनी वाटिका में उसी प्रकार बूढी काकी को भी भोजन की सुंगध लालायित कर रही थी।
2. रूपा द्वारा अपमान किये जाने पर बूढी काकी की भोजन से जुड़ी सभी आशाएँ नष्ट हो गई।

भाषा और व्याकरण

क. उपद्रव – शोरगुल
कक्षा में बालकों ने बहुत उपद्रव मचाया।

विस्मयपूर्ण – आश्चर्यजनक
जिन्न की कहानी बालक को विस्मयपूर्ण लगी।

स्मरण – याद करना
राम ने अपना पाठ स्मरण कर लिया।

प्रवाह – बहाव
नदी का प्रवाह अति तीव्र था।

स्वार्थानुकूलता – अपना लाभ सोचना

आज के मंत्री स्वार्थानुकूलता के वश में भ्रष्ट्रार को बढावा दे रहे है।

दुखदायक - कष्ट देने वाला
पाण्डवों के साथ कई दुखदायक घटनाएँ घटी।

चंचलता - शरारती पन
बालकों की चंचलता सबके मन को भाती है।

बुद्विहीन - मूर्ख
बुद्धिहीन लोग दूसरों का अनुसरण करते हुए परिणाम की भी चिंता नहीं करते।

ख. निम्नलिखित पुल्लिंग शब्दों के स्त्रीलिंग शब्द बनाइए–

पुल्लिंग		**स्त्रीलिंग**
काका	=	काकी
काला	=	काली
मामा	=	मामी
नाना	=	नानी
दादा	=	दादी
विद्वान	=	विदुषी
अध्यापक	=	अध्यापपिका
नर	=	नारी
दाता	=	दात्री
कवि	=	कवयित्री
कुत्ता	=	कुतिया
बैल	=	गाय
शेर	=	शेरनी
लोमड़	=	लोमड़ी
बंदर	=	बदांरिया
नायक	=	नायिका

ग. निम्नलिखित प्रत्ययों से बने दो-दो शब्द लिखिए-

पूर्वक	=	आदरपूर्वक, सम्मान पूर्वक
वार	=	रविवार, सोमवार
आहट	=	बौखलाहट, खनखनाहट
त्व	=	तत्व, महत्व
गिरी	=	दादा गिरी, नेतागिरी
दया	=	वोदया, महोदया
आनी	=	नौकरानी, महारानी
दान	=	जीवनदान, नेत्रदान

घ. केवल पढ़ने के लिए-

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-8 घमंड का अन्त

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (i) मुँडेर 2. (ii) तिनका
3. (iii) कपड़ा 4. (i) हाँ
5. (i) घमंडी व्यक्ति

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. घमंड़ में।
2. क्योंकि उसकी आँख में एक तिनका गिर गया।
3. कि घमंड़ में ऐठना गलत है घमंड़ी व्यक्ति को सबक सिखाने के लिए एक तिनका ही काफी है।
4. जब आँख में तिनका गिरा और लेखक बेचैन होन लगा।
5. उसकी आँख लाल होकर दुखने लगी।
6. आँख एक तिनका गिरने की।
7. बिना पता चले अचानक से समाप्त हो जाना।

भाषा और व्याकरण

क. नीचे दी गई कविता की पंक्तियों को सामान्य वाक्य में बदलिए-

1. एक दिन जब मुँडेर पर खड़ा था।
2. आँख लाल होकर दुखने लगी है।
3. अकड़ दबे पाँव भाग गई।
4. जब किसी प्रकार से तिनका निकल गया।

ख. उचित वाक्यांश चुनकर वाक्यों के खाली स्थान भरिए।

1. छप से 2. टप से 3. फुर्र से
4. सन् से 5. थर्र से

ग. केवल पढ़ने के लिए-

घ. निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकारों के नाम लिखिए-

1. अनुप्रास अलंकार 2. यमक अलंकार
3. यमक अलंकार 4. श्लेष अलंकार

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-9 मेरा भारत महान्

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (i) श्रीराम 2. (iii) भरत
3. (ii) गंगात्री 4. ()
5. (iv) भारत ने 6. (i) ईसाई

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. क्योंकि भारत में विभिन्न जाति, संप्रदाय के लोग रहते हैं सबकी अलग-अलग संस्कृति मिलकर इस एक नया सांस्कृतिक रूप प्रदान करती है।
2. श्री राम ने इसका अर्थ है कि भारत भूमि ही ऐसी है जिसके समक्ष स्वर्ग का सौंदर्य भी फीका है।
3. दुष्यंत और शकुंतला के पुत्र भारत के नाम पर।
4. क्योंकि यहाँ अनेक महापुरुषों जैसे महात्मा बुद्ध, महावीर, नानक आदि ने जन्म लिया है।
5. हिन्दु, इस्लाम, पारसी, सिक्ख, यहूद आदि।

ग. संक्षिप्त परिचय दीजिए–

बुद्ध : महात्मा बुद्ध का पूरा नाम सिद्धार्थ था इन्होंने सत्य तथा ज्ञान की खोज में घर छोड़ दिया।

नानक : ये सिक्खों के गुरू और सिक्ख धर्म के प्रवर्तक थे।

कबीर : कबीर जाति से एक जुलाते थे इन्होंने समाज में जात-पात को भुलाकर सबके एक होने का संदेश दिया।

घ. भारत के तीन प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानियों के नाम लिखिए–

1. भगत सिँह 2. चन्द्र शेखर आजाद
3. राजगुरू

ङ. केवल पढ़ने के लिए–

च. रिक्त स्थानों में उचित शब्द लिखिए–

1. संस्कृतियों
2. गंगोत्री
3. तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला
4. भगत सिँह, स्वतंत्रता
5. सांस्कृतिक

छ. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. देवता 2. यम और कृष्ण
3. महावीर, बुद्ध, गुरू नानक 4. मानवीय प्रेम
5. महान

भाषा और व्याकरण

क. निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए; जैसे–

स्व + अभिमान – स्वाभिमान
सम् + पन्न – संपन्न
अनु + सरण – अनुसरण
महा + पुरुष – महापुरूष
महा + आत्मा – महात्मा

ख. निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए–

नाथ – अनाथ ज्ञान – अज्ञान
शांति – अशांति नित्य – अनित्य
आशा – निराशा गुण – अवगुण

ग. निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थानों में उचित कारक-चिह्न (परसर्ग) भरिए–

1. में, के 2. के, पर
3. से, का 4. के लिए, से
5. के, में 6. में, और, ने

घ. दिए गए वाक्यों में सर्वनाम शब्दों को रेखांकित कीजिए–

1. यह विभिन्न संस्कृतियों की रंगस्थली है।
2. इसके उत्तर में हिमालय की विशाल पर्वत-शृंखला है।
3. वे अब सो रहे हैं।
4. सुलोचना अपने-आप चली जाएगी।

5. घर पर <u>कौन</u> आया था?

6. <u>हम</u> तो <u>आपके</u> सेवक ही हैं।

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-10 बिन बुलाये मेहमान

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (ii) ताजमहल
2. (i) बीस
3. (i) 1914 अगस्त का
4. (i) माताजी का
5. (iii) कबाड़ी की दुकान जैसा

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. रसोई घर, बाथरूम, मेहमानों का कमरा, सोने का कमरा आदि।
2. सरकस या चिड़ियाघर से।
3. महँगाई के कारण।
4. पुरानी चीजें इकट्ठी करने का।
5. क्योंकि उनका दिन मोहल्ले में और शाम मंदिर में व्यतीत होते थे।
6. कबाड़ी की दुकान जैसी उससे यह लाभ होता था कि कोई भी पुरानी वस्तु वहाँ आसानी से मिल जाती थी।
7. पुराने मित्र एक क्लर्क है जो लेखक के बरामदे में सजे गमले के समान है और रोज लेखक के घर आते-जाते है।
8. क्योंकि वहाँ लेखक के अतिरिक्त अन्य मेहमान अधिक रहते थे।
9. वे बहुत शरारती है।

भाषा और व्याकरण

क. नीचे लिखे शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए:

1.	श्रम + इक	2.	वि + दया
3.	वि + दया	4.	क्षम + आ
5.	त्रि + शूल	6.	स: + अत्य

ख. शुद्ध वर्तनीवाले शब्द पर (✓) का निशान लगाइए:

1. (i) धार्मिक   2. (ii) माताजी का

3. (ii) निस्स्वार्थ

ग. रिक्त स्थान में रंगीन शब्द का विलोम लिखिए :

1. घृणा   2. खाली   3. दुर्जन

4. शांति   5. वरदान

घ. निम्नलिखित वाक्यों से विशेषण पद छाँटकर उनके भेद लिखिए:

	विशेषण पद	विशेषण का भेद
1.	रंग-बिरंगे	गुणवाचक
2.	दो-मीटर	परिमाणवाचक
3.	समझदार	गुणवाचक
4.	तीन किलो	परिमाणवाचक
5.	पाँचवा	परिमाणवाचक

ङ. नुकतायुक्त ज़ और फ़ वर्ण के तीन-तीन शब्द लिखिए:

ज़ – फर्ज़   ज़ख्म   मज़ार

फ़ – फ़लक   हर्फ़   फ़र्ख

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

आदर्श प्रश्न पत्र-1

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. ii. ताजमहल   2. ii. भरत

3. iii. मुंडेर   4. ii. परोपकारी

5. iii. अधिक   6. i. शकुंतला

7. i. 24 अप्रैल 1973   8. ii. पारसपत्थर

9. iii. भगवान से   10. iii. दुष्यन्त

11. iii. बुद्धिमान की छोटी लड़की लाडली

ख. उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानो की पूर्ति कीजिए-

1. पानी   2. मुम्बई

3. बचपन   4. स्वर्ग

5. भरत

ग. सही कथन के सामने (✓) और गलत कथन के सामने (×) का निशान लगाइए-

(i) ✓   (ii) ×   (iii) ✓   (iv) ×

(v) ✓

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

1. प्रार्थना–अशांत मन को शांति प्रदान करो, सबल बनाओ, दुनिया के उपहास से भी शक्ति न पाऊँ।
2. जब हम श्वास–प्रश्वास ग्रहण करते है तब प्रश्वास के साथ एक प्रकार की विषाक्त वायु बाहर निकलती है उसे अगारक वायु कहते है। इसके पृथ्वी पर इकट्ठी होने से सभी जीव जन्तु नष्ट हो सकते है।
3. सचिन एक अद्वितीय खिवाड़ी है। इन्होंने काबली के साथ ऐतिहासिक 664 रनों की सांझेदारी की जिससे विरोधी पक्ष का एक गेंदबाज तो रो ही दिया तथा विरोधी पक्ष ने आगे मैच खेलने से इंकार कर दिया।
4. भरत ने अपनी भुजाओं के बल पर।
5. अहिसां का।

ङ. **निम्नलिखित व्याकरण सम्बन्धी प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

1. संज्ञा–किसी व्यक्ति वस्तु स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं। जैसे– आगरा, महात्मा गाँधी, मेज, राम, दिल्ली आदी।
2. सर्वनाम छह प्रकार के होते है।
3. संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते है।
   प्रकार – गुणवाचक विशेषण, संख्यावाचक विशेषण, परिणामवाचक विशेषण, सार्वनामिक विशेषण।
4. शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का बोध हो, उसे वचन कहते है।
   (1) एकवचन (2) बहुवचन
5. संज्ञा शब्द के जिस रूप से उसके पुरुष जाति या स्त्री जाति का बोध हो उसे लिंग कहते है।
   (1) पुल्लिंग (2) स्त्रीलिंग

च. स्वयं करें।

पाठ–11 गांधी जी की आत्मकथा

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (iii) विचारों में सत्यता होना।
2. (iii) परमेश्वर का।
3. (i) खाँडे की धार पर चलने के समान।
4. (ii) सत्य की खोज असंभव है।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. वाणी में और आचार विचार में सत्य का होना ही सत्य है।
2. अभ्यास और वैराग्य से।
3. यह खाँड़े की धार पर चलने के समान है।
4. केवल किसी को मारना ही हिंसा नहीं है। वरन् कुविचार मिथ्या भाषण एवं द्वेष भी हिंसा है।
5. ये दोनों ही एक सिक्के के दो पहलू है अहिंसा के बिना सत्य की खोज असंभव है।

ग. रिक्त–स्थान भरिए–

1. नियम 2. धन, समान 3. धर्म
4. सत्य 5. सत्य

घ. सही उत्तर के सामने (✓) चिह्न लगाइए–

(i) ✓ (ii) ✗ (iii) ✓ (iv) ✓
(v) ✗

ङ. निम्नलिखित गद्यांश का अर्थ स्पष्ट कीजिए-

1. अर्थात्–सत्य की प्राप्ति या सत्य का पालन करना आसान नहीं जिस प्रकार ईश्वर को पाने के लिए भक्ति में डुब कर सब कुछ न्यौछावर करना होता है उसी प्रकार सत्य प्राप्ति का मार्ग भी अत्यन्त कठिन है।

भाषा और व्याकरण

क. निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग और मूल शब्द को अलग–अलग करके लिखिए–

शब्द		उपसर्ग	मूल शब्द
संबंध	=	सम्	बंध
अभिमान	=	अभि	मान
अंतर्गत	=	अंत:	गत
अनुकरण	=	अनु	करण
अनजान	=	अन	जान
हमदर्द	=	हम	दर्द

ख. निम्न शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए–

सत्य	=	असत्य
गुण	=	अवगुण
अहिंसा	=	हिंसा

सुखदायी = दुखदायी

शाश्वत = अशश्वत

कायरता = बहादुरी

शांति = अशांति

स्वार्थ = निस्वार्थ

ग. निम्नलिखित का एक-एक उदाहरण लिखिए–

सरल वाक्य = मैंने खाना खाया।

मिश्र वाक्य = मुझे हरिद्वार जाना है और घूमना-फिरना है।

संयुक्त वाक्य = वह बाजार जा रहा था पर बारिश हो गयी।

विधानार्थक वाक्य = आज बारिश हो रही है।

निषेधवाचक वाक्य= माँ ने कल फल नही खाया था।

प्रश्नवाचक वाक्य = कल तुम कहाँ जा रहे थे?

आज्ञार्थक वाक्य = तुम्हे अपना काम कर लेना चाहिए।

इच्छार्थक वाक्य = मेरी इच्छा है कि तुम प्रथम आओ।

घ. केवल पढ़ने के लिए-

ङ ‘अ’ (बिना) उपसर्ग जोड़कर नए शब्द बनाइए और उनके अर्थ लिखिए–

अरूचि जिसमें रूचि न हो।

असहनीय जो सहन न हो सके।

असत्य जो सत्य न हो

असावधान जो सावधान न हो

अज्ञान जिसमें ज्ञान न हो।

अहिंसा जिसमें हिंसा न हो।

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-12 दो प्रेरक प्रसंग

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (iii) विचार 2. (i) संस्कृति

3. (ii) राष्ट्रगान 4. (i) नोबेल पुरस्कार

5. (ii) गुरुदेव

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. बचपन में रवींद्र के माता-पिता उन्हें पढ़ाना चाहते थे पर उनका मन नारियल को झुरमुटो और सूर्य-किरणों से लौटकर किशोर रवींद्र कविताएँ लिखने लगा।
2. सोलह साल होते-होते रवींद्र की कवि प्रतिभा की धूम मच गई और जब उन्हें नौबेल पुरस्कार मिला तो सारा संसार विस्मित रह गया।
3. एक जगह पर संसार की सारी संस्कृतियों का समन्वय कराने की कोशिश।
4. क्योंकि एक कवि होते हुए भी उनकी जीवन शैली ऋषियों की भाँति थी।
5. ग्रामीण वातावरण में आधुनिकता की शिक्षा देने के लिए।

ग. सोचकर लिखिए-

1. ‘‘जाओ भगवान जो काम तुमसे लेना चाहते है उसे पूरा करो। गौड और माँ का आशीवार्द तुम्हारे साथ है।’’
   जॉर्ज की माँ ने यह तब कहा था जब वह अपने देश की आजादी की लड़ाई में सेनापति बनकर जा रहे थे।
2. जॉर्ज अपनी माँ को बहुत प्यार करते थे।
3. जॉर्ज अपने प्रारंभिक जीवन में माँ का आशीर्वाद लेकर आजादी की लड़ाई में कूद पड़े उनका रूप काफी आकर्षक था। उन्हें जो भी सहूलियते चाहिए थी उनका प्रबंध भी उन्हें स्वयं ही करना पड़ता था।
4. इंग्लैण्ड़ के खिलाफ क्रांति में उन्हें क्रांति का सेनापति बनाया गया।
5. जॉर्ज एक दिन अचानक घोड़े पर सैर को निकले बर्फ पड़ने से उन्हें ठंड लग गई और बुखार से दो दिन में ही वे चल बसे।

भाषा और व्याकरण

क. केवल पढ़ने के लिए-

ख. **एक ही शब्द के भिन्न-भिन्न समानार्थी शब्द को पर्यायवाची कहा जाता है। निम्न शब्दों के तीन-तीन समानार्थी (पर्यायवाची) शब्द लिखिए–**

1. आकाश, आसमान, अम्बर
2. इनाम, विजितपोत, जीत का माल
3. पानी, वारि, नीर
4. घर, सदन, आवास

ग. निम्न शब्दों को अपनी भाषा में प्रयोग कीजिए–

1. महान व्यक्तियों की समाज में प्रतिष्ठा होती है।
2. रवि ने कुत्ते को मार भगाया।
3. इंडिया ने मैच में जीत कर धूम मचा दी।
4. शक्ल के साथ अच्छी अक्ल सोने पर सुहागा है।
5. बुद्धि सर्वाधिक मूल्यवान है।

खेल–खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ–13 वृक्षः प्रकृति के उपहार

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (iii) वृक्ष 2. (i) फलों
3. (ii) संतुलन 4. (i) शिशु
5. (ii) ऑक्सीजन

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. वृक्ष एवं मनुष्य एक–दूसरे आश्रित है वृक्ष हमें जीवन के लिए भोजन, साँस लेने के लिए ऑक्सीजन प्रदान करती है तथा बदले में मनुष्य उन्हें बीजोरोपण करके देखभाल करता है।
2. मिट्टी को जकड़ कर।
3. जनसंख्या वृद्धि के कारण रहने योग्य भूमि बनाने के लिए जंगलों को काटना पड़ रहा है। जिससे वातारण का संतुलन बिगड़ रहा है।
4. वृक्षों को काटने से बचाना।
5. क्योंकि वृक्षों के बिना जीवन असंभव है।

ग. सोचकर लिखिए-

1. हमें भोज्य–पदार्थ और ऑक्सीजन र्प्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हो पाएगें।
2. मानव–जीवन के विकास से पहले।
3. धरती की।
4. क्योंकि यह बिना किसी लोभ–लालच के हमें जीवन की अमूल्य वस्तुएँ प्रदान करती है।
5. वृक्ष की जड़े मिट्टी के कटाव को रोकती है।

घ. सही कथन के आगे (✓) व गलत कथन के आगे (✗) का निशान लगाइए–

1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✗

भाषा और व्याकरण

क. निम्न दिए गए अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द लिखिए–

1. दीर्घायु 2. अजेय 3. नास्तिक
4. असीमित 5. क्रूर

ख. केवल पढ़ने के लिए-

घ. एक आपकी सुविधा के लिए लिखा गया है–

1. बदमाश बदनाम
2. अविनाश अविश्वास
3. अनादर अनकही
4. कुरूप कुचालक
5. गैरतमंद गैर हाजिर

ङ. निम्न शब्दों का वाक्य प्रयोग अपने शब्दों में कीजिए–

1. वृक्ष प्रकृति की अमूल्य धरोहर हैं।
2. हमारा वातावरण अपरिमित है।
3. वर्षा पेड़–पौधों की क्षुधा दूर करती है।
4. वृक्ष प्रजनन के दौरान नया बीज बनाते है।
5. कुछ वृक्षों की संबर्धन प्रक्रिया तीव्र होती है।

च. निम्न रिक्त स्थानों को नीचे दिए शब्दों से भरिए-

1. उपकारी 2. प्रकृति 3. फल
4. आमदनी 5. कटाव

खेल–खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ–14 एक प्रेरणाक प्रसंग

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (iii) चंद्रा की 2. (iv) इन सबके लिए
3. (ii) आनंदी मुद्रा में
4. (iii) वह सफल शल्य–चिकित्सक न बन पाती

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. डॉ० चन्द्रा ने बी०एस०सी० किया प्राणी–शास्त्र में ए०एस०सी० में प्रथम स्थान प्राप्त किया और बैंगलूरू के प्रख्यात इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस में अपने लिए स्पेशल सीट अर्जित की।
2. जर्मन भाषा में मैक्समूलर भवन से विशेष योग्यता सहित परीक्षा उर्तीण की। गर्ल–गाइड में राष्ट्रपति का स्वर्ण–कार्ड पाने वाली वह प्रथम अपंग बालिका थी।
3. क्योंकि डॉ० चन्द्रा में अनेक योग्याताएँ थी।
4. डॉ० चन्द्रा को मेडिकल में प्रवेश नहीं मिला परन्तु विज्ञान के क्षेत्र में इनका विशेष योगदान रहा।
5. दोनों से क्योंकि डॉ० चन्द्रा योग्य तो थी परंतु यदि आरंभ में माँ के प्यार का सहारा न मिलता तो शायद उनमें इतना आत्मविश्वास न होता।
6. कोई भी शारीरिक कमी हमें हमारे पथ से नहीं डगमगा सकती।

ग. पंक्तियाँ पढ़कर सही उत्तर के सामने (✓) का निशान लगाइए–

1. (ii) हमारे कष्टों से बड़े कष्ट को कोई दोषी मान लेते हैं।
2. (ii) क्या ये कविताएँ प्रभावशाली हैं?

घ. स्वयं करें।

ङ. निम्न पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए–

1. इन पंक्तियों से आशय है कि डॉ० चन्द्रा को मेडिकल में प्रवेश न मिलने पर भी उन्होंने विज्ञान की प्रगति में महान् योगदान दिया।
2. अपनी शारीरिक अपंगता के बावजूद भी डॉ० चन्द्रा ने हिम्मत और लगन न छोड़ी उनके इस सहास के कारण वह देवांगना सी प्रतीत हो रही थी।

भाषा और व्याकरण

क. केवल पढ़ने के लिए

ख. 'यातनाप्रद' शब्द 'प्रद' प्रत्यय के योग से बना है। इसी प्रकार 'प्रद- प्रत्यय का प्रयोग करते हुए चार शब्द बनाइए–

हास्याप्रद स्वास्थ्यप्रद लाभप्रद हानिप्रद

ग. स्वयं करें।

घ. पाठ में आए अंग्रेज़ी शब्दों का चयन कर उनका हिंदी पर्याय लिखिए–

विच्छिन्न	अलग	कठोरतम	कठिन
उत्तीर्ण	पास	निर्जीव	म्रत
सुगम	आसान	रिक्त	खाली
प्रथम	पहला	नीरस	दुखी
सुदीर्घ	लंबी		

ङ. निम्न शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

सन्धि	–	विच्छेद
सर्वोच्य	–	सर्व + उच्च
प्रत्येक	–	प्रति + इक
सर्वांग	–	सर्व + अंग
नायिका	–	नै + इका
अत्यंत	–	अति + अंत
विद्यालय	–	विद्या + आलय

खेल-खेल में

पाठ–15 घनी छायाँ

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (i) केन्या
2. (iv) पति विदेश में बहुत बीमार था
3. (ii) उसके पिता मर चुके थे
4. (i) आशा की किरण

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. क्योंकि दूसरे पत्र में लिखा था कि हालत पहले से अच्छी है अर्थात् पिता की हालत अब सुधर रही है।
2. घर की ओर से जो पत्र जाते उनमें लिखा होता बच्चे बहुत याद करते है माँ को कोई कष्ट नहीं देते अज्जू भी बड़ा होकर इंजीनियर बनना चाहता है और अफ्रीका जाना चाहता है।

3. पिता के अफ्रीका जाकर अधिक धन कमाने की बात से।

4. ताकि परिवार को दूख न पहुँचे और पिता की वापसी की आशा उनमें हिम्मत बनाए रखे।

5. पिता की मृत्यु की खबर छिपाकर उन्हें नियमित पत्र लिखकर और धन भेजकर।

ग. यदि आप मित्र के स्थान पर होते तो परिवार के प्रति आपकी क्या प्रतिक्रिया होती?

यदि हम मित्र के स्थान पर होते तो हमारी भी परिवार के प्रति इसी प्रकार की प्रतिक्रिया होती।

घ. निम्न पंक्तियों का भाव अपने शब्दों में लिखिए–

1. पिता की हालत सुधारने की खबर से घर वालो की चिंता भी दूर होने लगी थी।

2. बच्चे बड़े हो गए, बेटी का ब्याह अच्छे घर में हो गया और पुत्र भी अपने पाँवों पर खड़ा हो गया देखते-2 समय तीव्र गति से दौड़ता जा रहा था।

3. अर्थात्-यदि परिवार को पिता की मृत्यु का समाचार पहले ही मिल गया होता तो अब तक सारे पैसे भी समाप्त हो चुके होते और परिवार बिखर जाता।

4. पिता की वापसी की एक उम्मीद ने परिवार को समाज में एक उचित स्थान दिलाए रखा और उन्हें टूटने नहीं दिया।

ङ. इस कहानी के लिए कोई अन्य शीर्षक सुझाएँ और लिखें कि वह आपको क्यों उपयुक्त लगता है?

'पिता का साया'

भाषा और व्याकरण

क. बहुविकल्पी प्रश्न–

1. (ii) में   2. (ii) कक्षाएँ

3. (iv) विदेश

ख. नीचे लिखे वाक्यों में कारक रेखांकित कर उनके प्रकार लिखिए–

* पति <u>का</u> पत्र पढ़कर पत्नी और बच्चे रो पड़े।
  संबधं कारक

* वृद्ध व्यक्ति <u>ने</u> अज्जू को उसके पिता <u>की</u> मृत्यु की जानकारी दी।
  कर्ता संबंध कारक

* पिता शादी <u>में</u> सम्मिलित न हो सके।
  अधिकरण कारक

* घर <u>से</u> पत्र जाते रहे।
  अपादान कारक

* वह किसी से लिखवाकर पत्र भेजता था।
  करण कारक

* अज्जू के लिए क़ीमती कैमरा आया।
  सप्रंदान कारक

ग. निम्न वाक्यों से क्रियाविशेषण शब्द छाँटकर उसके भेद लिखिए–

(क) डूबती नाव <u>धीरे-धीरे</u> पार लग रही थी।
रीतिवाचक

(ख) हिदायतों का <u>अक्षरश:</u> पालन करते हैं।
रीतिवाचक

(ग) तनु के विवाह पर <u>अवश्य</u> पहुँचेगा।
रीतिवाचक

(घ) समय पंख बाँधकर <u>अबाध</u> गति से उड़ता रहा।
रीतिवाचक

(ङ) रात को <u>देर</u> से घर लौटते हैं।
कालवाचक

(च) मैं <u>वहाँ</u> पहुँच रहा हूँ।
स्थानवाचक

घ. स्वयं करें।

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-16 मानवता

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (iii) सच्चा इन्सान

2. (iii) मसीहा है।

3. (ii) वह धर्म नहीं अज्ञान है।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. जो जनता की सेवा करता है।

2. दूसरों की भलाई के लिए कार्य करने वालो मानव ही भगवान है।
3. मानवता का धर्म
4. क्योंकि सभी एक ही ईश्वर की संतान है।

ग. रिक्त-स्थान भरिए-

लड़ना-भिड़ना, वैरभाव सब,
नासमझी का खेल है।
सभी मुसाफ़िर साथ चल रहे
यह दुनिया तो रेल है।।
मिल-जुलकर कर चलने से मंजिल
नित होती आसान है।
मानवता का धर्म धरे तो
मानव ही भगवान है।।

घ. निम्नलिखित पद्यांशों का सरलार्थ करें–

1. इसरों का हित चाहना ही सबसे बड़ा धर्म है, यही सब धर्मों का सार है।
   घर पर जन्म लेने वाला हर सच्चा इंसान, मनुष नहीं भगवान का अवतार है।
   जो धर्म लोगों में भेद-भाव जगाए वह धर्म अज्ञान के समान है।
   जो मानवता के धर्म को अपनाता है वह मानव भगवान है।
2. कोई भी ऊँचा-नीचा नहीं है। न ही कोई अछुत है।
   सच्चाई तो यही है कि हर व्यक्ति भगवान का रूप है।
   यह दुनिया हम सभी का एक साझा घर है।
   व्यक्ति यदि मानवता के धर्म को अपनाए तो वह भगवान के समान है।

ङ. 1. जुन-हित, पर-पीड़न, कर्म-यज्ञ, मानव-धर्म, भेद-भाव, ऊँच-नीच, लड़ना-भिड़ना, मिल-जुल
2. मनुष्यता, सच्चाई, अज्ञानता

भाषा और व्याकरण

क. निम्नलिखित शब्दों में विग्रह करके समास का नाम लिखिए–

विग्रह	**समास का नाम**
ध्यान + मगन	तत्पुरूष
यथा + शक्ति	अव्ययीभाव
अंध + भक्ति	तत्पुरूष
चार राहो का समूह	द्विगु
गज + आनन	बहुब्रीही

ख. रंगीन छपे शब्दों के वचन बदलकर वाक्यों को फिर से लिखिए–

1. इस कमरे की दीवारें गंदी हो गई हैं।
2. समुद्र में लहर उठ रही है।
3. लड़कियाँ पढ़ रही है।
4. सीमा ने सुंदर साड़ियाँ खरीदीं।
5. कहीं शहनाइयाँ बज रही हैं।
6. मैं कहानी पढ़ रहा था।
7. वह रोटियाँ बना रही है।

ग. केवल पढ़ने के लिए-

घ. शब्द बनाइए–

अधिकतर	दुकानदार
गुलाबी	पानवाली
शत्रुता	हर्षित
जेठानी	नमकीन

ङ. केवल पढ़ने के लिए-

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ-17 साहसी बालक की कथा

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (iii) अंग्रेज बालक
2. (i) बाहर
3. (ii) समुद्र के जल की
4. (i) अनाथ
5. (ii) समुद्र की कछार

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. पताका नाव या जहाज पर लगा झंड़ा है जो दूर से ही आगाह कराता है कि वह किस देश का है।
2. वह एक कंगाल, अनाथ बालक था जो एक दर्जी की दुकान पर काम करता है।
3. जंगी जहाजों का एक झुंड समुद्र की तरंगों को कुचलता और चीरता मस्तानी चाल से चलता, उसकी आँखों के सामने आया।
4. वह एक नाव पर कूदकर चढ़ गया।
5. उन दिनों फ्रांस और इंग्लैण्ड में बड़ी दुश्मनी थी।

ग. सोचकर लिखिए-

1. हम भी देश की रक्षा के लिए बालक की भाँति ही सेना का साथ देते।
2. हाँ।
3. क्योंकि वह सूई–धागे से ऊब चुका था।
2. हाँ।
3. क्योंकि वह सूई–धागे से ऊब चुका था।

भाषा और व्याकरण

क. निम्न शब्दों के तीन तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. रूपवान, खूबसूरत, मोहक
2. सुबह, सवेरे, प्रथम पहर
3. जहर, हलाहल, गरल
4. राक्षस, दानव, रजनीचर
5. नेत्र, नयन, चक्षु

ख. निम्न शब्दों के विपरीत शब्द लिखिए–

1. शत्रु 2. नरक
3. अप्रसन्नता 4. अनुर्तीण
5. भलाई करना 6. दिन

ग. निम्न धर्मों का उनकी भाषा से मिलान कीजिए–

धर्म		**भाषा**
हिंदू	–	देवनागरी
इस्लाम	–	उर्दू
सिक्ख	–	गुरुमुखी
अंग्रेज	–	रोमन

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ–15 स्वर्ग जैसा एक द्वीप

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (iv) पोर्ट लुई 2. (ii) अंग्रेज़ी
3. (i) गन्ना
4. (i) भूरी बालू और पारदर्शी जल

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. मॉरीशस द्वीप एक साफ स्वच्छ और सौंदर्य से परिपूर्ण द्वीप है इसके समुद्र तट सफेद बालू और शीशे जैसे पारदर्शी जल के लिए प्रसिद्ध है।
2. क्योंकि मॉरीशस में अनेक जातियाँ के लोग रहते है।
3. पोर्त लुई
4. क्योंकि यहाँ के समुद्र तट साफ–सुथरे हैं और सफेद बालू और शीशे जैसा चमकता पारदर्शी जल है।
5. गन्ना, यहाँ की सरकार की चीनी की मिलों तथा पर्यटन से सर्वाधिक आय होती है।
6. सरकार की ओर से प्रत्येक नागरिक के लिए दवा और इंटरमीडिएट तक की शिक्षा नि: शुल्क है।

ग. मॉरीशस 'छोटा हिंदुस्तान' के नाम से भी जाना जाता है। भारत और मॉरीशस में क्या-क्या समानताएँ है। पाठ के आधार पर लिखे।

मॉरीशस की आबादी का आधे से अधिक भाग भारतीय है यही कारण है कि इसे छोटा भारत भी कहा जाता है।

भाषा और व्याकरण

क. केवल पढ़ने के लिए-

ख. केवल पढ़ने के लिए-

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

पाठ–19 पुत्र वियोगिनी

आओ! अभ्यास करें

मौखिक

छात्र स्वयं करें।

लिखित

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. (iii) समाज 2. (i) पतंग
3. (ii) सामाजिक 4. (i) गरीब
5. (ii) अधिकार

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. मनुष्य की पोशाक उन्हें विभिन्न श्रेणियों में विभाजित कर देती है। पोशाक ही बंधन और बडप्पन बन जाती है।
2. जैसे वायु की लहरें कटी हुई पतंग को सहसा भूमि पर नहीं गिरने देती हैं उसी तरह खास परिस्थितियों में हमारी पोशाक हम झुकने से रोके रहती है।
3. वे खरबूजे बाजार में बिकने के लिए रखे थे परन्तु पास ही गरीब बुढ़िया के रोने से लोग उन्हें घृणा की दृष्टि से देख रहे थे।
4. वह गरीब बुढ़िया को देखकर घृणा कर रहा था।
5. कि शोक करने, गम मनाने के लिए भी सहूलियत चाहिए और दुखी होने का भी एक अधिकार होता है।

ग. सोचकर लिखिए-

1. क्योंकि उसका बेटा मर चुका था और बहू घर में बीमार पड़ी थी बच्चे भूख से बिलख रहे थे। उनकी जरूरतें पूरी करने के लिए बुढ़िया खरबूजे बेच रही थी।
2. ऐसा वे लोग सोचते है तो लोगों में जाति और हैसियत के आधार पर भेदभाव करते हैं।
3. बावली माँ ओक्षा को बुला लाई और बेटे के क्रिया–क्रम के लिए अपने हाथों का कंगन यहाँ तक की घर में रखी चूनी–भूसी भी बेच दी।
4. क्योंकि उसके पूरे शरीर में जहर फैल चुका था।

भाषा और व्याकरण

क. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. भगवाना 2. भगवाना को
3. भूख 4. उसे बुखार था।
5. बाजार जाकर खरबूजे बेचना

ख. दिए गए शब्दों की मदद से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. बड़प्पन 2. जमीन 3. घृणा
4. नीयत 5. खरबूजे

ग. दिए गए समान भिन्नार्थक शब्दों के उचित अर्थ लिखिए–

1. मुर्चा – जंग
 प्रमाण = सबूत
2. मूर्छा = बेहोशी
 प्रणाम = नमस्कार
3. सहूलियत = आसानी
 श्रेणी = दर्जा
4. सलहियत = सलाह देना
 श्रोणी = शाखाएँ

घ. क्रिया पदों को रेखांकित कीजिए–

1. पोशाक हमारे लिए अनेक बंद दरवाज़े <u>खोल देती</u> है।
2. स्त्री का <u>रोना</u> देखकर मन में एक व्यथा–सी उठी।
3. दूसरे साहब अपनी दाढ़ी <u>खुजाते</u> कह रहे थे।
4. परचून की दुकान पर <u>बैठे</u> लाला जी ने <u>कहा</u>।
5. पास–पड़ोस की दुकानों पर <u>पूछने</u> से पता लगा।

खेल-खेल में

छात्र स्वयं करें।

आदर्श प्रश्न पत्र–2

क. सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए–

1. iii. सच्चा इंसान 2. iii. अंग्रेज बालक
3. i. गन्ना 4. ii. सामाजिक
5. iii. परमेश्वर का 6. iii. विचार
7. iii. वृक्ष 8. ii. चंद्रा की
9. iii. मानव ही भगवान है।

ख. उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानो की पूर्ति कीजिए-

1. सच 2. धूम 3. विकास
4. फल 5. चंद्रा

ग. सही कथन के सामने (✓) और गलत कथन के सामने (✗) का निशान लगाइए-

(i) ✗ (ii) ✓ (iii) ✗ (iv) ✓
(v) ✓

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. यह खाँडे की धार पर चलने के समान है।
2. बचपन मं रवींद्र के माता–पिता उन्हें पढाना चाहते थे पर उनका मन नारियल के झुरमुटों और सूर्य किरणों को देखने में लगता था। विलायत से लौटकर किशोर रवींद्र कविताएँ लिखने लगा।
3. वृक्ष और मनुष्य एक दूसरे पर आश्रित है। वृक्ष हमें जीवन के लिए भोजन, साँस लेने के लिए ऑक्सीजन प्रदान करते है तथाा बदले में मनुष्य उन्हें बीजारोपण करके देखभाल करता है।
4. डॉ० चंद्रा ने वी०एसम०सी० किया। प्राणी शास्त्र में ए०एस०सी० में प्रथम स्थान प्राप्त किया और बैंगलूरू के प्रख्यात इस्टीटयूट ऑफ साइंस में अपने लिए स्पेशल सीट अर्जित की।

ङ. स्वयं करें।